हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 4 अगस्त 2025

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

आधार कार्ड पर$ लोन और कैश EMI

Get instant discount up to 10,000# on your credit card EMI HDFC BANK & on select cards#. Powered by pine labs #T&C apply

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on **www.HeroMotoCorp.com**. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Basis data available in public forum for products in 100cc Motorcycle segment. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships.T&C apply.

टोल फ्री 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: बिलासपुर: सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो 9289922706, **अंबिकापुर:** आनंद हीरो 9289922359, सरगुजा हीरो 9289923110, **कोरबा:** शांति हीरो 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो 9289923057, **रायगढ़:** गोयल हीरो 9289922373, आदित्य हीरो 9289923091, **जांजगीर:** आनंद हीरो 9289922772, **बैकुंठपुर:** आर.के. हीरो 9289922812, **जशपुर:** आकाश हीरो 9289922909, **एसोशिएट डीलर: खड़गांव:** बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415, **चौरा:** ओम ऑटो एजेंसी: 7000316070, **सरिया:** अग्रवाल ऑटो सेण्टर 9993121909, **गौरेला:** श्री माँ नर्मदा मोटर्स 7587796622 / 7587796611, **सनावल:** सोनी ऑटोमोबाइल्स 9479235816, **रतनपुर:** माँ महामाया मोटर्स 9754240437 / 8839972027, **बलोदा:** श्री कमला ऑटो 9926515216, **मरवाही:** राहुल ऑटोमोबाइल्स 8889467369 / 8719087320, **मुंगेली:** महावीर मोटर्स 9993855199, **मनेन्द्रगढ़:** विवेक ट्रेडर्स 6261178785, **कटघोरा:** श्री शारदा एंटरप्राइज 9809809925, **शिवरीनारायण:** सुल्तानिया ऑटा केयर 9407600319, **सक्ती:** गोयल ऑटो 9303571001, 7000490324, **खरसिया:** विजय ऑटो एजेंसी 9993093829, **सीतापुर:** श्रीराम हीरो, 7000043001, **पत्थलगांव:** ज्योति ऑटो 9406399000, **सारंगढ़:** गोपाल ऑटो सेंटर 9827893203, **सूरजपुर:** आशा ऑटोमोबाईल्स 9826440096, **अकलतरा:** श्री ऑटो 9424174274, **कोटा:** उर्मिला मोटर्स 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स: 6268000180 / 8718888789, **रामानुजगंज:** प्रीति ऑटोमोबाईल 8827674000, **बाराद्वार:** दुर्गा ऑटो एजेंसी 8319982160, **उदयपुर:** बंसल ऑटोमोबाईल्स 9406022927, **तपकरा:** प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, **प्रतापपुर:** तायल ऑटोमोबाईल्स 9617218005, **पटना:** आयुश ऑटोमोबाईल्स 8839141926, **पाली:** आनंद ऑटोमोबाईल 7089519999, **राजपुर:** महामाया एजेंसी, 9516209272 / 9340726288, **महापाली:** साहू ऑटोमोबाइल, 7746028455, **मदनपुर: ओम ऑटो एजेंसी,** 7000316070, **सीपत: मेसर्स गणेश मोटर्स,** 9993194005, **ऐडिशनल वर्कशॉप: अम्बिकापुर:** आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज 7771008601/9289922359, **जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट:** ओरियन ऑटोव्हील्स 07752-252088, **अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगा:** बालाजी सर्विस स्टेशन 279600, **डीलर एक्सटेंशन काउंटर: बिलासपुर** (सकरी) सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, **चम्पा:** आनंद हीरो 7909901444, **कोरबा:** शांति हीरो, 7440299000 **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुर:** सत्या हीरो 9289922464, **खड़गांव:** बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415.

VML.5827.2025HIN

www.cvru.ac.in Follow us on:

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Chhattisgarh, Bilaspur AN AISECT GROUP UNIVERSITY

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | A NAAC Accredited University

ADMISSIONS OPEN
SESSION-2025-26

YOUR GATEWAY TO A GLOBAL FUTURE @ CVRU WITH IBM/GOOGLE

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

INDUSTRY-ALIGNED DEGREES WITH GLOBAL CERTIFICATIONS

Affordable | Future-Ready | Globally Recognized

- AI & Machine Learnig
- Data Science
- AR, VR & Gaming
- IoT & AI

- Globally Recognized IBM Certifications
- Industry-Relevant Curriculum
- Smart Classrooms & Labs
- Placement Assistance & Career Guidance

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF SCIENCE

B.SC. — Mathematics, Microbiology, Biotech, Computer Science, Biology, Rural Technology

M.SC. — Physics, Chemistry, Botany, Mathematics, Micro-biology, Biotech, Zoology, Electronics, Rural Technology, Applied Physics

PGDRD

Centre for Distance and Online Education (CDOE)

Programmes Offered :

BBA | MBA | B.Com | M.Com
B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc.
B.A. (General) | M.A. (Hindi)
M.A. (English) | M.A. (Sanskrit)
M.A. (History)

FACULTY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
B.Tech | Polytechnic Diploma | M.Tech | B.VOC | M.VOC
UG Diploma in Fire Safety Management

FACULTY OF INFORMATION TECHNOLOGY
M.Sc. (IT) | M.Sc. (CS) | P. G.D.C.A. | B.C.A. | D.C.A.

FACULTY OF ARTS
B.A. | PERFORMING & FINE ARTS (B.P.A. | M.P.A.)
M.A. | B.Lib. | M.Lib. | M.S.W. (Social Work) | B.J. | M.J.

FACULTY OF EDUCATION & PHYSICAL EDUCATION
B.Ed. | M.Ed. | B.P.E.S. | M.P.E.S.

FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCES
B. Pharm | D. Pharm | M. Pharm | UG Nutrition & Dietetics

FACULTY OF LAW
LL.M. | LL.B. | B.A. (LL.B.) | B.Com.(LL.B.)

FACULTY OF COMMERCE & MANAGEMENT
B.B.A. | M.B.A. | PGDBM | B.Com. | M.Com.

Special Features:

- Accredited by NAAC
- Chhattisgarh's first private university
- Skill Courses offered by PMKK in the University
- 100+ Industry Collaborations for a strong industry academia relationship.
- Fully Automated Central Library
- 12 Centre of Excellence in the field of Art & Culture, Biotechnology, Green Energy, Performing Arts, Future & high end skills and many more
- Sprawling 70-acre campus surrounded by lush greenery
- Diverse student base from 8 states

Top Recruiters of AGU

More than **500 companies** for Placements and Internships
Offering up to **10 Lakh Package**

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

University is recognized by 2(f) under section 22 of UGC (University Grant Commission) Act 1956

The BCI (Bar Council of India)

The AICTE (All India Council of Technical Education) Bilaspur

The NCTE (National Council for Teacher Education)

The University is Approved by CGPURC (Chhattisgarh Private University Regulatory Commission)

The PCI (Pharmacy Council of India,

University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

ADMISSION HELPLINE FOR REGULAR PROGRAMMES
6261-900581, 6261-900582

ADMISSION HELPLINE FOR DISTANCE EDUCATION
9302969342, 9617772312

Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.) E-Mail : info@cvru.ac.in, lsd@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

SCAN QR CODE FOR ADMISSION ENQUIRY

City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

AdPRAYAS

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ज्ञान धारा में बही ज्ञान की सरिता

अवसर था हरिभूमि-आईएनएच के शिक्षा संवाद, ज्ञान धारा के आयोजन था। इस अवसर पर शिक्षक, प्राध्यापक, छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों के कुलपति और अनेक शिक्षाविदों ने छत्तीसगढ़, और देश की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था, बदलाव और भविष्य की जरूरतों पर मेरथन मंथन किया। आर्टीफिशियल इंटेलीजेंसी, आनलाइन पढ़ाई, स्कूली शिक्षा की वर्तमान हालात पर चर्चा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, तकनीकी शिक्षा एवं गृहमंत्री विजय शर्मा एवं राजस्व एवं खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने विचार साझा किए। विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू एवं खुशवंत साहेब ने गरिमामय उपस्थिति दी। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दूर-दराज के शिक्षकों का सम्मान किया गया। खचाखर्च भरे हाल में जिज्ञासू छात्र, निजी विश्वविद्यालय, कालेज और स्कूलों के प्रतिनिधि-संचालक और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों का स्टैंडर्ड प्राइवेट स्कूलों की तरह करेंगे, सीएम साय ने शिक्षा संवाद में कहा- प्रदेश को नया शिक्षा मंत्री जल्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आईएनएच हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से मुख्यमंत्री का शिक्षा संवाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को कहा है कि राज्य के सरकारी स्कूलों का स्टैंडर्ड प्राइवेट स्कूलों की तरह किया जाएगा। श्री साय ने यह बात शिक्षा संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब में कही। इस मौके पर उन्होंने स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के उन्नयन- विकास की रूपरेखा पर अपनी बात रखी। इसके साथ ही उन्होंने अपने स्कूली जीवन से जुड़े प्रसंग पर विस्तार से अपनी बात रखी।

युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश के सारे स्कूलों में शिक्षक

श्री साय ने शिक्षा मंत्री के रूप में अपने कामकाज के बारे में जानकारी दी। दरअसल उनसे पूछा गया था कि जब आपके पास स्कूल शिक्षा विभाग आया तो आपने क्या महसूस किया। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग काफी महत्वपूर्ण है। यह विभाग मिलने के बाद सबसे पहले स्कूल शिक्षा की पूरी समीक्षा चार घंटों तक की। इस दौरान पता लगा कि देश में 29 छात्रों पर एक शिक्षक का राष्ट्रीय औसत है, जबकि छत्तीसगढ़ में यह औसत 19 छात्रों पर एक शिक्षक का है, जो राष्ट्रीय स्तर से अच्छा है। लेकिन इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 300 प्राथमिक शालाओं में एक भी शिक्षक नहीं है। 5 हजार स्कूलों में एक शिक्षक ही है। कही स्टूडेंट से ज्यादा शिक्षक स्कूलों में है। कही एक भी स्टूडेंट नहीं है, पर शाला में शिक्षक हैं। यह देखने के बाद हमने युक्तियुक्त करण करने का विचार किया।

सीएम ने याद किया अपना बचपन

शिक्षा संवाद कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने गांव बगिया जशपुर में बिताए बचपन के दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि हमारा गांव बगिया एक छोटा सा गांव छत्तीसगढ़ के पूर्वी क्षेत्र का एक छोटा सा गांव है। यह एक सुंदर सा गांव नदी किनारे बसा और गांव की आबादी ढाई हजार थी। गांव के किसान परिवार में जन्म हुआ था। यहां परिवार का 12 गांव का समूह था। बंटवारा हुआ तो पिता को बगिया गांव मिला। 10 साल की उम्र में जब चौथी कक्षा में पढ़ रहे थे।

बताया अपने स्कूली जीवन का अनुभव

शिक्षा संवाद कार्यक्रम में संभवतः पहली बार मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने स्कूली जीवन का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया- उन्होंने कहा उस समय गांव में ही प्राइमरी शिक्षा का हाल ये था कि गांव में पहले सभी लोग मिलकर स्कूल की मरम्मत करते थे। स्कूल की छत को सुधारते थे। लेकिन जब बारिश होती तो पानी टपकता रहता था। पानी टपकने की वजह से जगह बदलकर बैठना पड़ता था।

सरकारी स्कूलों का स्टैंडर्ड प्राइवेट की तरह करेंगे

मुख्यमंत्री श्री साय से पूछा गया कि आप स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती तो करेंगे, लेकिन छत्तीसगढ़ की जरूरतें क्या है। नई शिक्षा नीति भी लागू है। इसके जवाब में श्री साय ने कहा कि नई शिक्षा नीति वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की गई है। हम राज्य सरकार में डेढ़ साल पहले आए हैं। हमने भी राज्य में नई शिक्षा नीति लागू की है। हम निचले स्तर पर भी 18 बोलियों में किताबें छपवा कर पढ़ाई करवा रहे हैं। राज्य में 350 पीएम श्री स्कूलें संचालित हैं। एक स्कूल के लिए केंद्र से 2 करोड़ रुपए मिलते हैं। उन्होंने कहा कि हम राज्य की सरकारी स्कूलों का स्टैंडर्ड भी प्राइवेट स्कूलों की तरह करेंगे। उन्होंने साथ ही यह भी जोड़ा कि पिछली सरकार ने स्कूल जतन योजना प्रारंभ की थी। लेकिन जतन नहीं हुआ, कुछ और ही लोगों का जतन हो गया। इस मामले के लिए जांच बैठाई गई है, जांच रिपोर्ट अभी नहीं आई है।

सरकारी और निजी कॉलेज सहयोगी प्रतिस्पर्धी नहीं

टेक्नोलॉजी जितनी भी आगे बढ़ जाए रोटी गूगल से नहीं निकल सकती

शिक्षा संवाद 2025 में मंथन के दौरान शंकराचार्य इंस्टिट्यूट के चेयरमैन आईपी मिश्रा ने कहा, संसार में सब सो रहे हैं, जो परमार्थी है केवल वे ही जाग रहे हैं। वर्तमान में लोगों को जगाने का कार्य हरिभूमि कर रहा है। एआई के बढ़ते दखल के बीच उपाधियों के औचित्य पर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी जितनी भी आगे बढ़ जाए, रोटी गूगल से नहीं निकल सकती है। उच्च शिक्षा संबंधित संवाद के दौरान हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ.हिमांशु द्विवेदी के प्रश्नों का जवाब देते हुए विशेषज्ञों ने नीतिगत योजनाएं साझा की।

श्री मिश्रा ने यह भी कहा, सरकारी और निजी विद्यालय अथवा महाविद्यालय प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, बल्कि आपस में सहयोगी हैं। सरकार को चाहिए कि वे दोनों ही संस्थाओं को एक नजर से देखे। सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसा माहौल बना दिया गया है कि यदि हम बाहर जाकर शिक्षा प्राप्त करेंगे तो ही सफल हैं, जबकि ऐसा नहीं है।

पैसे दो, डिग्री लो का खेल अब नहीं

विवि विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो.वीके गोयल ने कहा, प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों के संदर्भ में यह शिकायत प्राप्त होती रही है कि वे पैसे लेकर डिग्री देते हैं और छात्रों को नियमित कक्षा आने की आवश्यकता भी नहीं होती है। इस तरह के मामलों पर रोक लगाने के लिए अब प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों में बायोमैट्रिक्स उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। यही नहीं अब निजी विश्वविद्यालयों द्वारा छात्रों को दी जाने वाली सभी उपाधियों की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध कराने एनआईसी की मदद से नया पोर्टल बनाया जा रहा है। एक बार एंट्री के बाद किसी छात्र का नाम ना तो विवि जोड़ सकेंगे और ना ही घटा सकेंगे। यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है ताकि विवि पिछली तिथियों में जाकर फर्जी डिग्री ना बांट सकें।

दूसरे देशों से छग आ रहे बच्चे

मैट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर गजराज पगारिया ने कहा, चाहे सरकारी हो अथवा प्राइवेट, आप जितना अच्छा काम करेंगे, उतने अधिक बच्चे आपके यहां दाखिला लेंगे। ना सिर्फ दूसरे राज्य बल्कि दूसरे देशों से भी छात्र पढ़ने के लिए छग आ रहे हैं। शैक्षणिक कार्य पवित्र मन से करना चाहिए। टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता अपनाएंगे तो परिणाम भी वैसे ही मिलेंगे। रुंगटा ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चांसलर संतोष रुंगटा ने कहा, जिस काम को करें, बेस्ट करें। अनुशासन मजबूत रखें। जब कोई शैक्षणिक संस्थान प्रारंभ करें तो यह देखें कि पालक और छात्र क्या चाहते हैं? इस पर ही शैक्षणिक संस्थान का भविष्य टिका हुआ है।

डिग्रियां अब जरूरी नहीं, कौशल हो तो कमा सकते हैं करोड़ों

शिक्षाविदों से कई मुद्दों पर चर्चा

एमबीए जैसी डिग्रियां सिर्फ चोचलेबाजी है। वर्तमान में यू-ट्यूबर भी करोड़ों कमा लेते हैं। यह कहना है शिक्षाविद जवाहर सूरी शेट्टी का। भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अंधाधुन बांटी जा रही उपाधियों और इसके बाद भी बढ़ती बेरोजगारी सहित कई अन्य मुद्दों पर शिक्षाविदों ने चर्चा की। इस पैनल डिस्कशन का समन्वय हरिभूमि के संपादक समन्वयक ब्रह्मवीर सिंह ने किया। उन्होंने कहा, गूगल सिर पर हाथ रखकर छात्रों को यह हौसला नहीं दे सकता कि तुम यह कर लोगे और ना ही चैट जीपीटी छात्रों के आंसू पोंछ सकता है। इसलिए किसी भी स्थिति में गूगल गुरु का स्थान नहीं ले सकता है। वहीं रुंगटा ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वीसी जवाहर सूरी शेट्टी ने आगे कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उपस्थिति का विकल्प घटाकर प्रायोगिक ज्ञान पर बल दिया जा रहा है। मात्र डिग्री लेना ही उद्देश्य नहीं होना

भविष्य में एआई का शिक्षा में बड़ा प्रभाव

अरविंद तिवारी ने कहा कि डॉक्टर-इंजीनियर तो अभी भी चाहिए, लेकिन नए तरीके से। भविष्य में डिग्री नहीं बल्कि कौशल ही नौकरी दिलाएगा। वहीं जवाहर सूरी शेट्टी, राजीव गुप्ता सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी कौशल पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान में गूगल, एआई, चैट जीपीटी सहित कई ज्ञान के माध्यम हैं। संभव है कि भविष्य में कॉलेज सिर्फ डिग्री बांटने के केंद्र रह जाएंगे, इसलिए छात्रों को डिग्री के साथ कौशल भी प्रदान करें, तभी उपयोगिता बनी रहेगी। भविष्य में नौकरी के लिए सिर्फ कौशल देखा जाएगा, डिग्री नहीं।

ज्ञान धारा में शिक्षकों का सम्मान, सम्मानित करने मंच से नीचे आए मुख्यमंत्री साय

के. शारदा

हॉल उस वक्त तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, जब दिव्यांग शिक्षिका के. शारदा को सम्मान प्रदान करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित सभी मंत्री मंच से नीचे उतर आए। दुर्ग जिले के खेड़ामारा शासकीय स्कूल की शिक्षिका के. शारदा को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। के. शारदा लगातार टेक्नोलॉजी पर काम कर रही हैं। एआई टेक्नीक के जरिए अब तक दो हजार से अधिक इंटरनेट कंटेंट तैयार कर चुकी हैं। बहुभाषीय शिक्षण कार्य को बढ़ावा देने के लिए 20 से अधिक किताबें भी लिख चुकी हैं।

डॉ. धनंजय पांडेय

स्वामी आत्मानंद विद्यालय बिलासपुर में गणित के व्याख्याता डॉ. धनंजय पांडेय को 12वीं कक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम के लिए शिक्षा मित्र पुरस्कार मिल चुका है। राज्यपाल पुरस्कार भी उन्होंने अपने नाम किया है। छात्रों के लिए विशेष एप का निर्माण किया, जिससे वे मूलभूत अंकों को पहचान सकें। टीचिंग एड का निर्माण भी किया है, जिससे छात्र 6वीं से कक्षा 10वीं तक के गणित को खेल-खेल में सीख सकते हैं। आठ नेशनल व एक इंटरनेशनल रिसर्च पेपर भी प्रकाशित हो चुके हैं।

बीआर साहू

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला अमनपुर के शिक्षक बीआर साहू 1980 से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय हैं। प्रतिदिन सुबह 4 बजे उठकर वे बच्चों को उठाने चले जाते हैं, ताकि सभी छात्र तड़के उठकर पढ़ाई करें और कोई भी कक्षा में अनुपस्थित न रहे।

सुरेश चंद्रवंशी

बस्तर जिले में आने वाले बड़ेपारा शासकीय विद्यालय में सुरेश चंद्रवंशी वर्तमान में अपनी सेवा दे रहे हैं। वर्ष 1985 से शिक्षा क्षेत्र में सुरेश नवाचार के माध्यम से छात्रों की पढ़ाई सरल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भरत किशोर यादव

कांकेर के रहने वाले भरत यादव विगत 28 सालों से परिवार से दूर रहकर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रथम पदस्थापना 1997 में शासकीय प्राथमिक शाला अरलापेंटा में हुई। तब से अब तक वहीं अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ग्रामवासियों का उनके प्रति स्नेह ऐसा है कि उन्होंने शिक्षक के लिए घर बना दिया और उन्हें खेती-बाड़ी भी दे दी। कच्ची शाला की स्थिति सुधारने से लेकर प्रत्येक छात्र के विकास के लिए उनका व्यक्तिगत समर्पण ऐसा है कि वे अब प्रत्येक घर के सदस्य बन चुके हैं।

बलदाऊ सिंह श्याम

कोटा ब्लॉक में आने वाले जमुनई स्कूल के शिक्षक बलदाऊ सिंह श्याम ने जब पाया कि बच्चे पढ़ भी नहीं पा रहे तो वे घर में बच्चों को निशुल्क पढ़ाने लगे। जमुनाही तिलकडीह में तबादले के बाद गांववालों के साथ मिलकर सुरक्षित भवन की व्यवस्था की। कोरोनाकाल में बच्चों को अपने खर्च से मोबाइल उपलब्ध कराया, ताकि पढ़ाई जारी रहे। मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण, ज्योतिबा फुले पुरस्कार सहित कई पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं। उनके दर्जनभर से अधिक छात्रों ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है।

इनका हुआ सम्मान

शहरी और ग्रामीण शिक्षा पर हुआ संवाद, मोबाइल के बढ़ते उपयोग व कोचिंग ट्रेंड पर भी चर्चा

शिक्षकों की भर्ती पूरी हो, फिर प्रदेश में खोलें नए स्कूल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आईएनएच न्यूज और हरिभूमि के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञान धारा शिक्षा संवाद 2025 के दूसरे सत्र में शिक्षा जगत की जमीनी चुनौतियों को गंभीरता से उठाया गया। दूसरे सेशन का संचालन आईएनएच न्यूज की वरिष्ठ एंकर सोनल भारद्वाज ने किया, जिन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति को लेकर पैनल में शामिल विशेषज्ञों से विस्तृत चर्चा की। सेशन के दौरान शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने, प्रतियोगी परीक्षाओं में कोचिंग के बढ़ते प्रभाव और बच्चों में मोबाइल की लत जैसे विषयों पर गहन संवाद हुआ। वक्ताओं ⏭शेष पेज 6 पर

सवाल- वर्तमान समय में डमी कल्चर कितना नुकसान पहुंचा रहे?

जवाबः संजय रुंगटा ग्रुप के अध्यक्ष संजय रुंगटा का कहना है कि कहीं न कहीं प्राइवेट स्कूलों और कॉलेज में बेहतर व्यवस्था है। हायर एजुकेशन में सबसे पहले गवर्नमेंट कॉलेज की सीटें भरती हैं। आज स्कूल के ऑफिसर, जितने भी पॉलीटिशियन, जितने भी सक्षम लोग हैं, उनके बच्चे भी प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं। उनका डायरेक्ट एडमिशन नहीं होता तो कहीं न कहीं से सिफारिश करके आते हैं। पूरी व्यवस्था यह मानती है कि प्राइवेट स्कूल अच्छा कर रहे हैं। ⏭शेष पेज 6 पर

सवाल- आरटीआई को लेकर कहना है कि यह पैरेंट्स और स्टूडेंट्स के फेवर में ज्यादा है, ऐसा क्यों?

जवाब - राजकुमार कॉलेज के प्रिंसिपल लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह ने कहा कि आज शिक्षक को वह सम्मान नहीं मिल पा रहा, जिसके वे हकदार हैं। स्कूल को अब सेवा प्रदाता मान लिया गया है, गुरु नहीं। किसी भी समस्या के लिए तुरंत शिक्षक और स्कूल को दोषी ठहरा दिया जाता है, क्योंकि बच्चा स्कूल में 6 घंटे से अधिक बिताता है। बच्चों के हाथों में मोबाइल अनियंत्रित रूप से है और वे यह मानने लगे हैं कि ज्ञान मोबाइल से मिलता है, गुरु की आवश्यकता नहीं। यह सोच समाज में बदलाव की मांग करती है।

सवालः वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में एक समानांतर ढांचा विकसित हो चुका है, एक ओर स्कूल ट्यूशन फीस लेते हैं तो दूसरी ओर उससे अधिक सक्रियता के साथ कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। यह समानांतर प्रणाली आपको कितनी परेशान कर रही है?

जवाबः कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर के चेयरमैन आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि कोचिंग संस्थानों को समानांतर शिक्षा व्यवस्था कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि स्कूल की शिक्षा समायोजिक होती है, जबकि कोचिंग संस्थाएं विशिष्ट प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर केंद्रित होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोचिंग संस्थाएं ⏭शेष पेज 6 पर

चिंतन

सियासी लाभ के लिए चुनाव आयोग को बदनाम न करें

सियासत
राजकुमार सिंह

स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं किसी भी मजबूत लोकतंत्र की नींव होती हैं। लोकतंत्र तभी जिंदा रह सकता है जब ये संस्थाएं निष्पक्ष और पूर्ण आजादी से फैसले लें। यही कारण था कि हमारे संविधान में देश की संस्थाओं को आजाद रखने के लिए अनेक प्रावधान किए गए बल्कि अधिकार भी दिए गए। ऐसी ही एक संस्था है चुनाव आयोग। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में चुनाव एक ऐसी बुनियाद है, जिस पर लोकतंत्र की इमारत टिकी हुई है। इस बुनियाद को बनाए रखने में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव से जुड़े सिद्धांत और प्रक्रियाएं अहम भूमिका निभाती हैं। इसे चुनाव आयोग ने बाखूबी निभाया भी है। 400 से अधिक राज्य विधानसभा चुनाव, 16 राष्ट्रपति चुनाव, 16 उपराष्ट्रपति चुनाव और 17 राष्ट्रीय चुनाव को सफलतापूर्वक करवाना सामान्य बात नहीं है, लेकिन बीते कुछ दिनों से आयोग को ही कठघरे में खड़ा करने के प्रयास हो रहे हैं, उसकी निष्पक्षता पर उंगली उठाई जा रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। वे लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं। यहां तक कि वे आयोग के अधिकारियों को चेतावनी देने से भी नहीं चूक रहे। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करने के साथ यह कहकर उन्हें बेनकाब भी किया कि वे किस तरह अपने आरोपों का जवाब सुनने को उसके समक्ष उपस्थित नहीं हुए। चुनाव आयोग ने बार-बार उन्हें बुलाया, लेकिन लगता है कि वे संवैधानिक संस्था को बदनाम करने पर ही आमादा हैं। राहुल गांधी के साथ-साथ बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तपस्वी यादव भी चुनाव आयोग को निशाने पर ले रहे हैं। वे बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के सत्यापन से नाराज हैं। जबकि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की कार्रवाई अनिवार्य है, लेकिन राजनीतिक दलों द्वारा आयोग की इस कार्रवाई के खिलाफ तरह-तरह से भ्रामक और गलत प्रचार किया जा रहा है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी फर्जी पोस्ट एवं वीडियो को खोज-खोज कर उन्हें गलत बता रहा है और इसी के साथ सच्चाई भी बयान कर रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को ऐसे भ्रामक वीडियो एवं पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए। यदि इस तरह की फर्जी न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो शरारती तत्वों का दुस्साहस ही बढ़ेगा। अब तपस्वी यादव को ही लें, उन्होंने पत्रकारवार्ता करके ऐलान कर दिया कि मतदाता सूची से उनका और उनकी पत्नी का नाम काट दिया गया है। हद तो तब हो गई जब तेजस्वी ने अपने वोटर कार्ड का नंबर भी बता दिया। इसके तुरंत बाद चुनाव आयोग ने न केवल इसका खंडन किया बल्कि अब उन्हें नोटिस भेजा है। इसमें पूछा गया है कि उनके पास वोटर कार्ड के दो ईपिक नंबर कैसे आए। बिहार की दीघा विधानसभा के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी ने नोटिस में कहा है कि आपके द्वारा ईपिक संख्या आएएबी 2916120 दिखाया गया, जो आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। इससे बिलकुल साफ है कि उनका इरादा केवल चुनाव आयोग को बदनाम करने का है, जो कतई लोकतंत्र के हित में नहीं है। सभी राजनीतिक दलों को चाहे वो सत्ता में हो या विपक्ष में, हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि हमारी संवैधानिक संस्थाओं पर कोई आंच न आए। अगर ये स्वतंत्र नहीं रह पाईं तो लोकतंत्र भी नहीं रह पाएगा।

विपक्षी एकता पर भारी कांग्रेस-आप टकराव

संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आप का 'इंडिया' गठबंधन से अलगाव बताता है कि भाजपानीत राजग के चुनावी मुकाबले के बड़े लक्ष्य के साथ हुई विपक्षी एकता परस्पर दलगत हितों के टकराव के ग्रहण से नहीं बच पा रही। वर्ष 2023 के मध्य में बने दो दर्जन विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जदयू और जयंत चौधरी के रालोद की विदाई पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले ही हो गयी थी। जाहिर है, उस अलगाव के दलगत टकराव के अलावा भी कुछ कारण रहे होंगे, लेकिन हाल में आप के 'इंडिया' गठबंधन से अलग होने के पीछे तो उसका कांग्रेस से टकराव ही एकमात्र कारण है। बेशक पहले दिल्ली और फिर पंजाब की सत्ता छीनने वाली आप से कांग्रेस का दलीय हितों का टकराव अस्वाभाविक नहीं, पर यह तो 'इंडिया' गठबंधन में उनके साथ आने से पहले भी सबको पता था।

दिल्ली पर लगातार 15 साल राज करने वाली कांग्रेस अगर वहां विधानसभा में शून्य हो गयी तो उसमें सबसे अहम भूमिका आप की ही रही। गुजरात और गोवा में भी आप की चुनावी मौजूदगी ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके बावजूद 'इंडिया' गठबंधन के बैनर तले ये दोनों दल साथ आये तो इसलिए कि भाजपानीत राजग को विपक्षी एकता बिना चुनौती दे पाना संभव नहीं। तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद 'इंडिया' गठबंधन किसी हद तक वह लक्ष्य हासिल भी कर पाया, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर 303 सीटें जीतने वाली भाजपा 2024 में 240 सीटों पर रुक गयी और सरकार के लिए राजग के अपने सहयोगियों पर उसकी निर्भरता बढ़ गयी। निश्चय ही गठबंधन का सबसे ज्यादा लाभ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को हुआ, जो क्रमशः 52 से 99 और पांच से 37 सीटों पर पहुंच गयीं। ध्यान रहे कि कांग्रेस और आप, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और चंडीगढ़ में तो लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े, लेकिन पंजाब में एक-दूसरे के विरुद्ध। पंजाब में आप प्रचंड बहुमत से सत्तारूढ़ दल है, जबकि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल। ऐसे में मिलकर चुनाव लड़ने से कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में तो भ्रम की स्थिति बनती ही, दोनों दलों की साख पर भी सवालिया निशान लग जाता। वैसे दिल्ली में दोनों मिलकर भी भाजपा को फिर सभी सात सीटें जीतने से नहीं रोक पाये। हां, हरियाणा में कांग्रेस 10 में से पांच सीटें जीतने में सफल हो गयी। चंडीगढ़ से भी कांग्रेस के मनीष तिवारी जीते।

कह सकते हैं कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन का आप को ज्यादा लाभ नहीं हुआ, लेकिन दोनों के बीच तल्खियां बढ़ीं चंद महीने बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव से। कांग्रेस-आप में सीटों के बंटवारे पर बातचीत तो हुई, पर सिरे नहीं चढ़ पायी। नतीजतन आप ने 90 में 88 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिये। आप को तो दो प्रतिशत मत भी नहीं मिल पाये, लेकिन सत्ता की दौड़ में भाजपा से कांग्रेस एक प्रतिशत से भी कम मतों से पिछड़ गयी। आश्चर्य नहीं कि उस नतीजे से कांग्रेस और आप के बीच बढ़ीं तल्खियां दिल्ली विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे के विरुद्ध मोर्चेबंदी तक पहुंच गयीं। पिछले विधानसभा चुनाव में भी खाता खोलने में नाकाम रही। कांग्रेस ने इस बार जो चुनावी मोर्चाबंदी की, वह भाजपा के बजाय आप के विरुद्ध ज्यादा नजर आयी। दोनों के

बीच कटुता इतनी बढ़ी कि आप ने कांग्रेस को 'इंडिया' गठबंधन से बाहर निकालने की मांग तक कर डाली। आप से हिसाब चुकता करने का कांग्रेस का दांव कारगर रहा और 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में भाजपा की वापसी हो गयी। मत प्रतिशत और सीटों का गणित संकेत देता है कि अगर कांग्रेस-आप मिलकर लड़े होते तो शायद भाजपा की सत्ता में वापसी इतनी आसान नहीं होती। अरविंद केजरीवाल की आप ने जिस दिल्ली से सत्ता का सफर शुरू करते हुए सबसे कम समय में राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल किया, वहीं वह सत्ता से पैदल हो गयी। ऐसे में आप के पास भावी चुनावी राजनीति में गंवाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है, जबकि वह गुजरात, गोवा समेत कई राज्यों में कांग्रेस का चुनावी गणित बिगाड़ सकती है।

हालांकि आप सांसद संजय सिंह द्वारा 'इंडिया' गठबंधन की कार्यशैली पर उठाये गये सवाल अपनी जगह जायज हैं, लेकिन अलगाव की असली वजह कांग्रेस से कटुता निर्णायक मोड़ पर पहुंच जाना ही है। आप सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी संसदीय मुद्दों पर टीएमसी और डीएमके जैसे विपक्षी दलों के साथ समन्वय बनाए रखेगी और उनका समर्थन करेगी, जैसा कि ये दल आप का समर्थन करते हैं। निश्चय ही आप की उपस्थिति उन राज्यों में भाजपा की मददगार साबित होगी, जहां उसका कांग्रेस से सीधा मुकाबला रहा है। दरअसल भाजपा या उसकी अगुवाई वाले गठबंधन राजग के विरुद्ध जितने ज्यादा दल चुनाव मैदान में होंगे, विरोधी मत उतने ही ज्यादा बंट जायेंगे। भाजपा विरोधी मतों के इस बिखराव से बचने के लिए ही विपक्षी गठबंधन की कवायद हुई थी, लेकिन दो साल में ही गाड़ी पटरी से उतरती नजर आ रही है।

बेशक गठबंधन की सफलता सभी घटकों के सहयोग, समन्वय और समझदारी पर निर्भर करती है, लेकिन सबसे बड़े दल के नाते इसमें कांग्रेस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। याद करिए कि जुलाई, 2023 में बनने के बाद से 'इंडिया' गठबंधन की कितनी बैठकें हुई हैं? संयोजक तो दूर, आज तक सचिवालय या संगठनात्मक ढांचा नहीं बन पाया। दो साल में न तो साझा न्यूनतम कार्यक्रम बना और न ही कभी संयुक्त चुनाव प्रचार नजर आया। हां, संसद में अवश्य कभी-कभी तालमेल दिखा, पर कुछ मुद्दों पर मतभेद भी छिपे नहीं रहे हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठेगा ही कि आखिर 'इंडिया' गठबंधन जमीन पर क्यों नहीं उतर पाया? विपक्षी गठबंधन जब जमीन पर ही नजर नहीं आयेगा तो जनता उसके विकल्प बन सकने की क्षमता पर विश्वास कैसे करेगी? विडंबना यह भी है कि कांग्रेस अकसर अपने दलीय हितों के हिसाब से विचार और निर्णय करती नजर आयी है। आप समेत उत्तर भारत के ज्यादातर छोटे दलों ने कांग्रेस के ही परंपरागत जनाधार में सेंधमारी से अपना जनाधार बनाया है। मुद्दे भी कमोवेश समान हैं।

कांग्रेस की दुविधा यह है कि अपने पुनरुत्थान के लिए इन दलों से जनाधार वापस छीनना जरूरी है, जबकि उनसे हाथ मिलाये बिना भाजपा का चुनावी मुकाबला मुश्किल है। इस जटिल राजनीतिक समीकरण में संतुलन पर ही कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का चुनावी भविष्य निर्भर करता है। आप के अलगाव से उजागर विपक्ष के अंतर्विरोध निश्चय ही केंद्र समेत ज्यादातर राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी अगुवाई वाले राजग के लिए उत्साहवर्धक हैं। जाहिर है, लगातार दो लोकसभा चुनाव हार कर एकता की राह पर चले विपक्ष में बिखराव उसके अपने भविष्य के लिए सुखद संकेत नहीं है। अगले लोकसभा चुनाव तो 2029 में होंगे, लेकिन उससे पहले होने वाले विधानसभा चुनावों के परिणामों का विपक्षी मनोबल पर ही नहीं, मतदाताओं के मन पर भी दूरगामी असर पड़ेगा।

संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आप का 'इंडिया' गठबंधन से अलगाव बताता है कि भाजपानीत राजग के चुनावी मुकाबले के बड़े लक्ष्य के साथ हुई विपक्षी एकता परस्पर दलगत हितों के टकराव के ग्रहण से नहीं बच पा रही। आप के अलगाव से उजागर विपक्ष के अंतर्विरोध निश्चय ही केंद्र समेत ज्यादातर राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी अगुवाई वाले राजग के लिए उत्साहवर्धक हैं। लगातार दो लोकसभा चुनाव हार कर एकता की राह पर चले विपक्ष में बिखराव उसके अपने भविष्य के लिए सुखद संकेत नहीं है। अगले लोकसभा चुनाव तो 2029 में होंगे, लेकिन उससे पहले होने वाले विधानसभा चुनावों के परिणामों का विपक्षी मनोबल पर ही नहीं, मतदाताओं के मन पर भी दूरगामी असर पड़ेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

व्यापार समझौता

विकेश कुमार बडोला

ट्रंप की आक्रामक नीतियों में उलझे द्विपक्षीय संबंध

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक नीतियों ने दुनिया में उलझन बढ़ा दी है। पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर भारत के प्रहार के बाद तो ट्रंप भारत के प्रति भी नाटकीय ढंग से अविश्वसनीय, हास्यास्पद तथा अनर्गल वक्तव्य देने लगे हैं। गत सवा दो माह में उन्होंने भारतीय गरिमा को अपने अनेक अप्रत्याशित वक्तव्यों से खंडित किया है। राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी फर्स्ट की अपनी चुनावी नीति को धरातल पर क्रियान्वित करने में उन्हें जो भी कठिनाइयां हो रही हैं, उसकी प्रतिक्रिया वे भारत समेत विश्व के भिन्न-भिन्न देशों को आयात-निर्यात शुल्क बढ़ाने की धमकियां देकर, शुल्क वृद्धि करके कर रहे हैं। पाकिस्तान स्थित अपनी सामरिक अवसंरचनाओं को भारत के प्रहार से हुई अधिक हानि के बाद वे भारतीय प्रधानमंत्री से रुष्ट हैं। जहां नरेंद्र मोदी भारतीय लोकतंत्र की आधिकारिक औपचारिकताओं से बंधकर चुपचाप भारतीय हितों का संरक्षण कर रहे हैं, वहीं ट्रंप भारत के संदर्भ में व्यापारिक समझौतों को भारतीय व्यापार मंत्रियों व प्रतिनिधियों के व्यापार-मंथन के आधार पर नहीं, अपितु नरेंद्र मोदी के साथ आमने-सामने बैठकर चुटकियों में एक संकेत पर अंतिम रूप दे देना चाहते हैं। चूंकि अमेरिकी प्रधान स्वयं में एक व्यापारी हैं, उनके पास अंतरराष्ट्रीय व्यापार का वर्षों पुराना अनुभव है तथा उस आधार पर उन्हें अमेरिका की ओर से अन्य देशों के साथ होने वाले व्यापारिक समझौतों के अमेरिकी हित में निकलने वाले निष्कर्ष भलीभांति ज्ञात हैं, इसीलिए वे नरेंद्र मोदी से भी अपेक्षा कर रहे हैं कि वे उनके अनुसार समझौते का किंतु-परंतु के बिना यथाशीघ्र निस्तारण कर दें। वे भूल रहे हैं कि इस समय भारत का केंद्रीय शासन एक सुशासन प्रणाली के नियम से बंधा हुआ है। ऐसे शासन के किसी भी कार्य, समझौते अथवा निर्णय में भ्रष्टाचार, अनाधिकृत प्रभाव एवं अधीरता का आचरण नहीं है। ट्रंप अपनी बढ़ती आयु तथा इस भय से कि संभवतः अब तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकेंगे, अमेरिकी फर्स्ट की नीति अंगीकार कर जैसे-तैसे अमेरिका के प्रभाव को बड़ा व विशाल कर देना चाहते हैं। इस आवेश में वे अपने प्रथम कार्यकाल की उन नीतियों को भी भूल चुके हैं, जिनमें उन्होंने इस्लामिक आतंक को कुचलने के लिए व्यापक कार्य किये थे तथा इसी प्रभाव में मोदी की उनसे मैत्री स्थापित हुई थी। वे जैसे-तैसे इस समय की अपनी राजनीतिक इच्छाओं की पूर्ति कर लेना चाहते हैं। उनके साथ का अथवा उनके कार्यालय का कोई भी अन्य पदाधिकारी, यहां तक कि उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी, अमेरिका की ओर से वक्तव्य देने के लिए स्वतंत्र नहीं है। ट्रंप को अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति के रूप में अपना प्रभाव इतना अधिक व्यापक कर देना है कि वे उस आधार पर रूस-यूक्रेन समेत दुनिया के अन्य देशों के मध्य हुए या होते आ रहे युद्धों को समाप्त करने का महत्ती श्रेय लेना चाहते हैं। इस महत्वाकांक्षा के पूर्ण होने पर उन्हें नोबल पुरस्कार प्राप्त करने की अभिलाषा भी है। इतना सब उनके पक्ष में उनके अनुसार होने के लिए उनके पास राष्ट्रपति के रूप में मात्र दो-ढाई वर्ष का ही समय शेष है। अतः वे भारत के संदर्भ में, मोदी के संबंध में भी अपने चिरपरिचित मैत्रीपूर्ण व्यवहार से विमुख हो चुके हैं। उन्हें किसी भांति, चाहे भारत तथा मोदी को ही रुष्ट क्यों न करना पड़े, अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करनी हैं। वे अपनी राजनीतिक एवं व्यापारिक चतुरता दिखाते हुए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि भारत को, विशेषकर उनकी शर्तों पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में देर करने वाले मोदी को, नीचा दिखाया जाए। इसके लिए उन्होंने भारत-पाक युद्ध को रुकवाने के लिए खुद को पचास से अधिक बार श्रेय दे दिया है। वे रूस के साथ भारत की सामरिक-व्यापारिक मैत्री के लिए भी भारत को अनेक धमकियां दे चुके हैं। चूंकि भारत सुशासन के साथ उभरती हुई एक वैश्विक शक्ति बन रहा है, इसीलिए वह अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं करते हुए अमेरिकी प्रस्ताव को अस्वीकार करने पर लगा हुआ है। भारत को मृत अर्थव्यवस्था बताने वाले तथा पाकिस्तान में तेल स्रोत ढूंढ उसे समृद्ध कर एक दिन भारत को भी उससे तेल खरीदने के लिए विवश कर देने वाले, ट्रंप के नवीनतम वक्तव्यों ने अंततः भारत को प्रतिक्रिया के लिए विवश कर ही दिया है। परिणाम में भारत ने अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट्स को खरीदने के बारे में पूर्व के अनेक किंतुओं-परंतुओं के बाद अब अंतिम रूप से उन्हें निकट भविष्य में नहीं खरीदने की घोषणा कर डाली है। इसके प्रत्युत्तर में ट्रंप ने भारत पर एक अगस्त से लागू होने वाले 25 प्रतिशत शुल्क आरोपण नियम को अब आठ अगस्त तक के लिए टाल दिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन से तय होती है जीवन की सही दिशा

संकलित
दर्शन

अकसर समस्याओं में लोग दूसरों को पुकारते हैं जबकि यदि लोग अपने मन को अंतर्मुख करें, तो समाधान उन्हें अपने में ही मिल जाएगा। बस कुछ समय निकाल कर खुद के अंदर झांकने की जरूरत होती है। कहते हैं कि मन से जीवन की दिशा तय होती है, लेकिन ये बड़ा चंचल होता है। इसे समझना आसान नही है। मन को दुखी न करो : हमेशा उन विचारों को दूर करने की कोशिश करें जो मन को दुख पहुंचाने वाले हैं। उन बातों को भी मन पर बिलकुल हावी न होने दें जो आपके अंदर नकारात्मकता भरती हैं। मन को पकडक़र न बैठो : अकसर मन इधर-उधर भागने लगता है। ऐसे में उसे भागने दो। उसे जबरदस्ती पकडक़र रोकने की कोशिश न करो। इसके बाद इसके पीछे जाओ और इसे वापस ले आओ। वह कहते हैं कि इनसान स्वयं अपने मन को खुश रखने के लिए जिम्मेदार है। ऐसे में उसे यह दृढ़ संकल्प करना जरूरी है कि चाहे कुछ भी हो जाए, कोई भी व्यक्ति मेरी खुशी नहीं छीन सकता। जीवन को एक सही दिशा देने में मन की विशेष भूमिका होती है। जीवन में ऐसा कुछ नहीं है, जिसके प्रति बहुत गंभीर रहा जाए। यह हाथों में खेलने के लिए एक गेंद है। इसे पकड़े मत रहो। इंसानी जीवन में इच्छा को कभी भी खुद पर हावी न होने दो। इच्छा हमेशा अकेले मैं शब्द पर लटकती रहती है। ऐसे में जब इंसान मैं का त्याग कर देता है, तब इच्छा भी समाप्त हो जाती है। जीवन को लेकर गहराई से सोचिए। अतीत में बहुत सी समस्याएं आई थीं, जो आज नहीं हैं। वे आईं और चली गईं।

ऊर्जा के नाश को रोकता है माथे का तिलक

संकलित
प्रेरणा

भारतीय संस्कृति में तिलक धारण करने का धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रहा है। प्राचीन काल में तीर्थों की पवित्र मिट्टी (शुचितम मृत्तिका) तिलक के रूप में माथे पर लगाई जाती थी। धीरे-धीरे इस मृत्तिका का स्थान चंदन, गोपीचंदन, कुमकुम, भस्म या केसर ने ले लिया। तिलक धारण करने के इन सभी रूपों का उद्देश्य केवल बाह्य सज्जा नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना का जागरण है। विज्ञान की दृष्टि से देखें तो तिलक या टीका लगाने से मस्तिष्क के अग्र भाग में स्थित तंत्रिकाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे तनाव कम होता है और मन एकाग्र होता है। तिलक का स्थान मस्तक के उस भाग पर होता है, जिसे 'आज्ञा चक्र' कहा जाता है। यह स्थान निर्णय क्षमता, स्मृति और विवेक का केंद्र होता है। जब इस स्थान पर चंदन या भस्म लगाया जाता है, तो वह मानसिक शीतलता, आत्म-संयम और आस्था का संचार करता है। इसे इस तरह से भी समझा जा सकता है कि मनुष्य की दोनों भृकुटियों के मध्य में मुख्य महत्त्वपूर्ण नर्व पॉइंट होता है। तिलक उस जगह लगाने से एकाग्रता रखने में मदद मिलती है। तिलक का व्यवहार ब्राह्मणों या सनातन भारतीय समाज के अन्य वर्गों तक ही सीमित नहीं रहा है। क्षत्रिय राजा के जीवन में तिलक धारण करने को विशेष महत्व दिया जाता था। भगवान श्री रामचंद्र चंदन का तिलक लगाया करते थे। आज भी आप किसी देवालय में जाएं तो पंडित सर्वप्रथम आपके माथे पर तिलक ही लगाएगा।

गणेशोत्सव की तैयारी

देशभर में गणेशोत्सव की तैयारी चल रही है। कोलकाता में भगवान गणेश की प्रतिमा को अंतिम रूप देता एक कलाकार।

आज की पाती

सेजबहार का हाल-बेहाल

सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी का हाल-बेहाल है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने मकान बेचकर इतिश्री कर ली। अब सफाई के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाते रहे। अफसर मस्त हैं। जवाबदारी लेने को कोई तैयार नहीं। रजिस्टर में शिकायतें लिखकर कर्मचारी औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। दो महीने बीतने के बाद भी शिकायतों का कोई निराकरण नहीं हो पा रहा है। रात में अंधेरे से भी कालोनीवासी परेशान हैं। स्ट्रीट लाइट महीने में कुछ दिन ही जलती है। जलकर और मेंटनेंस का पैसा लेकर हाउसिंग लोगों को सुविधाएं देने में असफल है। *-शाहीन बेगम, रायपुर*

ट्रेंड

ये नया भारत है

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से जिन्हें परेशानी हो रही है, उन्हें काशी की धरती से मैं बताना चाहता हूं कि ये नया भारत है। ये बाबा भोलेनाथ को पूजने के साथ देश के दुश्मनों के सामने कालभैरव भी बन जाता है।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जयंती पर नमन

'हम कौन थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी', यह आत्मबोध 'पद्म भूषण' राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की लेखनी का तेज था। संस्कृति, संवेदना और राष्ट्रनिष्ठा से समृद्ध उनकी कालजयी रचनाएं युगों तक हमें संस्कारित करती रहेंगी। राष्ट्रकवि को उनकी पावन जयंती पर सादर नमन!
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सड़कें बद से बदतर

उप्र में भाजपा की पिछली सरकार ने 'गड्ढा मुक्ति' के नाम पर अरबों का जो फंड निकाला था, वो भाजपाइयों की जेब के गड्ढे तो भर गया लेकिन सड़कें बद से बदतर हो गयीं। भाजपा जाये तो सड़क बन जाए।
- अखिलेश यादव, सपा सांसद

वाणी का सदुपयोग

पानी का अनियंत्रित प्रवाह बाढ़ बनकर गाँवों को समाप्त कर देता है और वाणी का संबंधों को मिटा देता है। पानी और वाणी पर नियंत्रण, इनका सदुपयोग करके हम अपनी बस्ती और हस्ती की रक्षा कर सकते हैं।
- आशुतोष राणा, अभिनेता

करंट अफेयर

विचारधारा से आमदनी तक कश्मीर में नया सोशल मीडिया खेल

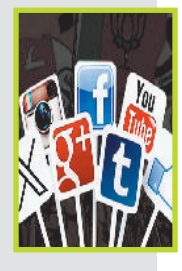

सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी में कुछ युवाओं के बीच अलगाववादियों और आतंकवादियों का महिमामंडन करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के एक नये चलन का खुलासा किया है। इसके पीछे का कारण वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि फॉलोवर बढ़ाने और विज्ञापनदाताओं से धन कमाने की एक सोची-समझी रणनीति है। श्रीनगर पुलिस कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया साइट पर नजर रखने का हरसंभव प्रयास कर रही है। श्रीनगर पुलिस को इस प्रवृत्ति का पता तब चला जब उसने ऐसे अकाउंट से जुड़े कुछ युवाओं को हिरासत में लिया। युवकों ने पूछताछ के दौरान, कथित तौर पर स्वीकार किया कि भड़काऊ तस्वीरों -जैसे कि प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के मारे गए आतंकवादी बुरहान वानी की तस्वीर - का इस्तेमाल फॉलोवर का एक बड़ा आधार हासिल करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति थी। युवकों ने बताया कि इससे वे बाद में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन हासिल करके उससे पैसे कमाने में सक्षम हो सके। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में फॉलोअर, विशेषकर सीमापार और विदेशों से, हासिल करने के बाद, अकाउंट संचालक इन तस्वीरों को पहाड़ों या चिनार के पेड़ों जैसी तस्वीरों से बदल देते थे।

ऑफ बीट

भक्त को बचाने स्वयं प्रकट हुए नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

गुजरात के द्वारका धाम से करीब 16 किलोमीटर दूर नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है। ये भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में दसवें ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रसिद्ध है। माना जाता है ये मंदिर करीब 2500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यता और कथा-भगवान शिव का एक अनन्य भक्त सुप्रिय नामक व्यापारी था। जिसे एक दिन दारुक नाम के राक्षस ने कारागार में बंद कर दिया और तरह-तरह के कष्ट दिए, लेकिन वह अपनी भक्ति पर अटल रहा। आखिर में दारुक ने एक दिन जब वह पूजा में मग्न था, उस पर अत्यंत क्रोध करना शुरू कर दिया, लेकिन वह अपने आराध्य भगवान शिव से प्रार्थना करता रहा, आखिर में भगवान शिव ज्योतिर्लिंग के रूप में कारागार में प्रकट हुए और सुप्रिय को पाशुपतास्त्र दिया ताकि वह अपनी रक्षा कर सके। इस अस्त्र से सुप्रिय ने राक्षस दारुक तथा उसके अनुचरों का वध कर दिया। उसी समय से भगवान शिव के इस ज्योतिर्लिंग का नाम नागेश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। मंदिर परिसर में भगवान शिव की पद्मासन मुद्रा में एक 80 फुट की विशालकाय मूर्ति है। गर्भगृह में पुरुष भक्त धोती पहनकर ही प्रवेश कर सकते हैं, वह भी तभी जब उन्हें अभिषेक करवाना है। शिवपुराण के अनुसार नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के बाद उसकी उत्पत्ति और माहात्म्य संबंधी कथा सुनने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
सोमवार 4 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी
वर्ष : 25, अंक : 134
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 4.00***
मौसम
अधि. 33.2
न्यून. 26.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

301 शहर, 1052 केंद्र और 242000 से अधिक अभ्यर्थी!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देश में रविवार को 2,42,000 से ज़्यादा अभ्यर्थी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) में शामिल हुए। यह परीक्षा विभिन्न स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परीक्षा एक ही पाली में 301 शहरों के 1,052 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से यह भारत की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा है, जो एक ही पाली में आयोजित की गई है।

■ नीट-पीजी : भारत की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा

किस सेक्शन में थे ज्यादा मुश्किल सवाल?

- छात्रों ने बताया कि पेपर न तो बहुत आसान था और न ही बेहद कठिन।
- पेपर के पार्ट ए को छात्रों ने मध्यम स्तर का बताया।
- पार्ट बी छात्रों को अपेक्षाकृत आसान लगा।
- पेपर के पार्ट सी को मध्यम से कठिन बताया।

सरकार ने तय किए नए दाम सस्ती होंगी 37 जरूरी दवाएं!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 37 जरूरी दवाओं और उनके फॉर्मूलेशंस के लिए खुदरा मूल्य तय कर दिए हैं। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने ड्रग्स (प्राइज कंट्रोल)ऑर्डर, 2013 के तहत इसकी अधिसूचना जारी की। यह मूल्य नियंत्रण राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने जारी किया है। इसका मकसद जीवनरक्षक और आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को अधिक किफायती बनाना है। सरकार के नए मूल्य निर्धारण का दायरा संक्रमण, हृदय रोग, सूजन, डायबिटीज और विटामिन की कमी जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं तक फैला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ये नए मूल्य 35 फार्मूलेशंस पर लागू होंगे, जिन्हें प्रमुख फार्मा कंपनियां बनाती और बेचती हैं। इनमें पैरासीटामॉल, एटोरवैस्टेटिन, एमोक्सिसिलिन, मेटफॉर्मिन जैसे प्रचलित मेडिकेशन और कुछ नवीन फिक्स्ड कॉम्बिनिशन शामिल हैं। ये लंबी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं।

निर्माताओं के लिए दिशा-निर्देश

निर्माताओं को सभी वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा, इंटीग्रेटेड फार्मास्युटिकल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से फॉर्म वी में अपडेटेड प्राइस लिस्ट जारी करनी होगी। एनपीपीए तथा राज्य औषधि नियंत्रकों को जानकारी देनी होगी। स्पेसिफाइड फॉर्मूलेशन और निर्माताओं के लिए जारी किए गए किसी भी पूर्व मूल्य आदेश को इस लेटेस्ट नोटिफिकेशन द्वारा निरस्त कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से जरूरी दवाओं की उपलब्धता, पारदर्शिता और वहन करने की क्षमता में सुधार होगा।

डायबिटीज हार्ट मेडिसिन के लिए नई दरें

कुछ प्रमुख संशोधित दवाएं और उनके मूल्य

अकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज द्वारा विपणन की जाने वाली एक एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन टैबलेट की कीमत अब 13 रुपए तय की गई है, जबकि कैडिला फार्मास्युटिकल्स द्वारा विपणन की जाने वाली इसी दवा की कीमत अब 15.01 रुपए है। हृदय संबंधी बीमारियों के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम युक्त एक टैबलेट की कीमत 25.61 रुपए तय कर दी गई है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अब विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने की ताक में सरकार

नई दिल्ली। मानसून सत्र के दौरान संसद में लगातार गतिरोध के बीच केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में दो अहम विधेयकों- राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक - को पारित कराने की कोशिश कर सकती है। विपक्ष की तरफ से संसद में हंगामा जारी है।

रायपुर-जबलपुर दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर-जबलपुर दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन रायपुर से अपराह्न 2.45 बजे रवाना होगी और रात 10.45 बजे जबलपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन जबलपुर से सुबह छह बजे रवाना होगी और अपराह्न 1.50 बजे रायपुर पहुंचेगी। सीएम ने ट्रेन सेवा उपलब्ध कराने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

कर्नल पर हमला, सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें मार्च में पार्किंग विवाद को लेकर पंजाब पुलिस कर्मियों द्वारा एक कर्नल पर कथित हमले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित कर दी गई थी। कथित घटना 13 और 14 मार्च की मध्य रात्रि को हुई।

पिकअप में छिपाया था 350 करोड़ रुपए का मादक पदार्थ

आइजोल। मिजोरम में राज्य पुलिस ने लगभग 350 करोड़ रुपए मूल्य का क्रिस्टल मेथामफेटामीन (मेथ) और हेरोइन जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक अगस्त को आइजोल के पास अपराध जांच विभाग (विशेष शाखा) और विशेष मादक पदार्थ पुलिस थाने की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया।

नहर में गिरी एसयूवी 11 श्रद्धालुओं की मौत

गोंडा। उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के इटियाथोक क्षेत्र में रविवार को एक एसयूवी के सरयू नहर में गिरने से एक ही परिवार के नौ लोगों समेत 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। एसपी ने बताया कि इस हादसे में मरने वाले श्रद्धालुओं में छह महिलाएं, दो पुरुष और तीन बच्चे शामिल हैं।

दो वोटर आईडी : तेजस्वी को चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस, मांगा जवाब

तेजस्वी की बढ़ीं मुश्किलें, चुनाव आयोग ने पूछा-जो ईपिक दिखाया, वह कहां से आया?

एजेंसी ▶▶ पटना

मतदाता पुनरीक्षण कार्य और नए वोटर लिस्ट को लेकर लगातार केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर रहे तेजस्वी यादव खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। एनडीए, तेजस्वी पर मतदाता पहचान पत्र घोटाला का आरोप लगा रही है। अब चुनाव आयोग ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नोटिस भेज दिया है। उनसे सवाल पूछा कि दो-दो ईपिक नंबर आपने कहां से लाया? इसलिए आप अपने ईपिक कार्ड का विवरण मूल प्रति सहित आयोग को उपलब्ध कराएं।

निर्वाचन आयोग ने रविवार को राजद नेता तेजस्वी यादव से उस मतदाता पहचान पत्र को जांच के लिए सौंपने को कहा, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया था कि वह उनके पास है, जबकि वह आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया था। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित 'मसौदा मतदाता सूची' में उनका नाम नहीं है। एक प्रेस वार्ता के दौरान, पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने अपने फोन को एक बड़ी स्क्रीन से जोड़ा और ऑनलाइन अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर खोजने की कोशिश की, जिससे परिणाम आया कि 'कोई रिकॉर्ड नहीं मिला'। संबंधित अधिकारियों द्वारा खंडन किए जाने पर उन्होंने आरोप लगाया कि उनका मतदाता पहचान पत्र नंबर "बदला हुआ" था।

पूर्व उपमुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में पटना सदर के अनुविभागीय मजिस्ट्रेट सह दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी ने कहा, हमारी प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दो अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपने जिस ईपीआईसी नंबर का जिक्र किया था, वह आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया था। इसलिए आपसे अनुरोध है कि विस्तृत जांच के लिए ईपीआईसी कार्ड की मूल प्रति हमें सौंप दें। इसके बाद राजद नेता ने आरोप लगाया कि उनका ईपीआईसी नंबर ▶▶ शेष पेज 6 पर

क्या है मामला

राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- उनका नाम वोटर लिस्ट से कट गया है। उन्होंने कहा, 'बीएलओ आई थीं और हमारा सत्यापन करके गई हैं। फिर भी मतदाता सूची में नाम नहीं है। उन्होंने आयोग से ये भी पूछा कि अब मैं चुनाव कैसे लड़ूंगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने अपना वोटर आईडी कार्ड जारी किया। वोटर लिस्ट में अपना नाम देखने के लिए ईपिक नंबर डाला, जिसके रिजल्ट में लिखा आया- नो रिकॉर्ड फाउंड।

- निर्वाचन आयोग ने ईपीआईसी कार्ड सौंपने को कहा
- एनडीए ने लगाया मतदाता पहचान पत्र घोटाला का आरोप

चुनाव आयोग ने कार्ड उपलब्ध कराने को कहा

चुनाव आयोग ने लेटर जारी कर कहा कि दो अगस्त को आयोजित प्रेस वार्ता में आपके द्वारा आपका नाम प्रारूप मतदाता सूची में अंकित नहीं होने की बात बताई गई। जांचोपरांत यह पाया गया कि आपका नाम मतदान केन्द्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन) के क्रम संख्या 416 पर अंकित है, जिसका ईपिक संख्या आरएबी 0456228 है। प्रेस वार्ता के उद्धरण से आपके अनुसार, आपका ईपिक संख्या आरएबी 2916120 है, प्राथमिक जांच के अनुसार, ईपिक संख्या आरएबी 2916120 आधिकारिक रूप से निर्गत प्रतीत नहीं होती है। आपकी ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में बताए गए उल्लिखित ईपिक कार्ड का विवरण (कार्ड की मूल प्रति सहित) अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने की कृपा की जाये, ताकि इसकी गहन जांच की जा सके।

एनडीए ने कहा- तेजस्वी पर दर्ज हो एफआईआर

संवाददाता सम्मेलन में राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रवक्ता अजय आलोक (भाजपा), नीरज कुमार (जदयू) और राजेश भट्ट (लोजपा-रामविलास) सहित अन्य ने राजद नेता के खिलाफ एफआईआ दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यादव पर दो ईपीआईसी कार्ड रखने के लिए मामला दर्ज किया जाना चाहिए, जिसकी अनुमति नहीं है। राजग पदाधिकारियों ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वे उनके (तेजस्वी के) गठबंधन सहयोगी राहुल गांधी से जानना चाहते हैं कि क्या राजद नेता द्वारा की गयी यह "धोखाधड़ी" वह "परमाणु बम" है, जिससे वह निर्वाचन आयोग को धमकी दे रहे थे।

भाजपा बोली- तेजस्वी एसआईआर से डर रहे

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सवाल किया, क्या इसलिए तेजस्वी यादव विशेष गहन पुनरीक्षण से डर रहे थे। पार्टी के सर्वोच्च नेता का जब ये हाल है तो कार्यकर्ताओं का क्या होगा।

अवमानना मामले में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दायर याचिका खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू नहीं करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब एकल पीठ ने अवमानना कार्रवाई शुरू करने से मना कर दिया है, तो उसके खिलाफ अपील का सवाल ही नहीं उठता। जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डिवीजन बेंच ने कहा कि धारा 19(1)(ए) अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत सुनवाई योग्य नहीं है। यह आदेश शैलेन्द्र ज्ञानचंदानी द्वारा ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ हाईकोर्ट ने कार्रवाई से इंकार करते हुए कहा कि अपील प्रारंभिक स्तर पर ही अपात्र

अपीलकर्ता की ऐसी दलील

अपीलकर्ता के वकील ने डिवीजन बेंच में तर्क दिया कि एकल पीठ द्वारा कार्रवाई नहीं शुरू करने का आदेश कानूनी त्रुटि है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की स्पष्ट अवहेलना हुई है, जिसके बावजूद एकल पीठ ने अवमानना की कार्रवाई प्रारंभ नहीं की, जो न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है।

कानूनन यह अपील सुनवाई योग्य नहीं

याचिका पर डीबी ने कहा कि अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 19(1)(ए) के अनुसार अपील केवल तभी सुनवाई योग्य होती है, जब हाईकोर्ट अपने अधिकार क्षेत्र में रहते हुए अवमानना के लिए दंडित करता है। जब एकल पीठ ने अवमानना कार्रवाई प्रारंभ करने से ही इंकार कर दिया है, तो यह आदेश धारा 19(1)(ए) के तहत अपील योग्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह अपील प्रारंभिक स्तर पर ही अपात्र है और प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं है। डिवीजन बेंच ने यह कहते हुए अपील को खारिज कर दिया कि, कानूनन यह अपील सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि अवमानना अधिनियम के तहत यह ▶▶ शेष पेज 6 पर

स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों को पीटा

एक्स्ट्रा लगेज पर मांगा चार्ज तो सेना के अफसर ने कर दी पिटाई

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-386 के बोर्डिंग गेट पर एक वरिष्ठ सेना अधिकारी ने चार स्पाइसजेट कर्मचारियों को बुरी तरह पीट दिया। एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार, घटना 26 जुलाई को उस समय हुई जब अधिकारी को अतिरिक्त कैबिन बैगेज ले जाने पर अतिरिक्त चार्ज देने के लिए कहा गया। स्पाइसजेट ने बताया कि अधिकारी के पास दो कैबिन बैग थे जिनका कुल वजन 16 किलोग्राम था, जबकि अधिकतम सीमा केवल 7 किलोग्राम की है। जब स्टाफ ने बड़ी विनम्रता से उसे नियम की जानकारी दी और चार्ज भरने को कहा, तो अधिकारी ने मना कर दिया और बिना बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए जबरन एयरोब्रिज में प्रवेश करने की कोशिश की, जो कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन है।

कर्मचारियों को बुरी तरह मारा

सीआईएसएफ अधिकारी उसे वापस गेट पर लेकर गए, जहां उसने गुस्से में आकर चार ग्राउंड स्टाफ पर हमला कर दिया। एक कर्मचारी को कई बार घूंसे, लातें और स्टील स्टैंड से मारा, जिससे उसे रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर और जबड़े में गंभीर चोटें आईं। एक अन्य कर्मचारी, जो बेहोश सहयोगी की मदद करने के लिए झुका था, उसे जबड़े पर जोरदार लात मारी गई, जिससे उसके नाक और मुंह से खून बहने लगा।

नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की कवायद

घायल कर्मचारियों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। स्पाइसजेट प्रवक्ता ने कहा कि इस हमले की थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है और एयरलाइन ने यात्री को नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो नागरिक उड्डयन नियमों के तहत की जा रही कार्रवाई है। एयरलाइन ने इस गंभीर हमले की जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लिखित रूप में दी है और यात्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही एयरपोर्ट अधिकारियों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंप दी गई है, ताकि जांच में मदद मिल सके।

छाल के जंगलों में बाघ की धमक से दहशत, वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले में हाथियों के बाद अब बाघ की धमक से लोगों में दहशत का माहौल है। धरमजयगढ़ वन मंडल द्वारा गांव वालों को अलर्ट करते हुए जिस जगह बाघ आने की सूचना मिली है, आसपास के जंगलों में सर्चिंग की जा रही है।

दरअसल बाघ आने की आहट छाल के जंगलों से मिली है, जहां के ग्रामीणों ने बड़े पांव के निशान मिलने के बाद वन विभाग को सूचना दी थी। छाल के जंगलों में बाघ की धमक के बाद एक दर्जन से भी अधिक गांव ▶▶ शेष पेज 6 पर

बड़े पांव के निशान दिखे

6 अलग-अलग टीमें बनाई गई : धरमजयगढ़ वन मंडल के डीएफओ जितेन्द्र कुमार उपाध्याय का कहना है कि बाघ के मूवमेंट पर लगातार निगरानी रखने के लिए 6 अलग-अलग टीमें बनाई गई है। हाल ही में इसकी पहली जानकारी छाल ▶▶ शेष पेज 6 पर

हाथी के बाद अब बाघ की दहशत

जिले के रायगढ़ व धरमजयगढ़ वन मंडल में पहले से ही कई दर्जन गांव में जंगली हाथियों की बढ़ती संख्या और उनके आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि हाथियों के चलते गांव के लोग पहले रतरगा करते थे और अब बाघ के आने से वे वन विभाग से ▶▶ शेष पेज 6 पर

आंध्र प्रदेश में हादसा, तीन घायल

ग्रेनाइट खदान में गिरी चट्टान छह प्रवासी मजदूरों की मौत

एजेंसी ▶▶ बल्लीकुरवा

आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार को ग्रेनाइट की एक खदान में बड़ा हादसा हुआ जिसमें भारी चट्टान गिरने से छह प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब खदान में 10 से 15 मजदूर खनन कार्य में लगे हुए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, सभी पीड़ित ओडिशा के निवासी हैं। हमें संदेह है कि पानी रिसाव के कारण चट्टान खिसकी और हादसा हुआ।

हादसा कैसे हुआ?

पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 10:30 बजे 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे, तभी अचानक एक विशाल चट्टान उन पर गिर पड़ी। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में लगता है कि बारिश या पानी के रिसाव की वजह से चट्टान कमजोर हो गई थी, जिससे वह गिर गई।

बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा के बाद जेल पहुंचा पूर्व सांसद

रेवन्ना अब कैदी नंबर-15528, रोते हुए कटी जेल में पहली रात

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर 15528 दिया गया। जेल अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने शनिवार को अदालत के फैसले के बाद रेवन्ना को जेल में कैदी नंबर दिया गया। सजा सुनाए जाने के बाद जेल में पहली रात वह रो रहा था और काफी व्यथित दिखाई दे रहा था।

कड़ी सुरक्षा वाली कोठरी में बंद

प्रज्वल रेवन्ना इस वक्त हाई सिक्योरिटी वाली कोठरी में बंद है। वो कड़ी सुरक्षा में है। जेल अधिकारियों ने बताया कि दोषियों को एक मानक ड्रेस कोड का पालन करना पड़ता है और उसे भी कैदियों को दी जाने वाली वर्दी पहननी होगी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह प्रज्वल को आधिकारिक तौर पर कैदी संख्या 15528 आवंटित की गई।

सहायिका से रेप का मामला

यह मामला 48 वर्षीय उस महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा में स्थित रेवन्ना परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। वर्ष 2021 में उसके साथ दो बार बलात्कार किया गया था और आरोपी ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था।

जेल में बीतेगा पूरा जीवन

प्रज्वल को शनिवार को शेष जीवन तक कारावास में रहने की सजा सुनाई गई। कुल 11.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि 11.25 लाख रुपये रेवन्ना के परिवार की घरेलू सहायिका व पीड़िता को दिए जाएं। यहां की एक अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना (34) को यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया। सांसदों/विधायकों की विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने शुक्रवार को रेवन्ना को दोषी ठहराने के बाद शनिवार को फैसला सुनाया।

हरिभूमि

बिलासपुर, सोमवार 4 अगस्त 2025

2

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

रायपुर। आईएनएच न्यूज और हरिभूमि के 'ज्ञान धारा शिक्षा संवाद 2025' कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े विशेषज्ञों, स्कूल-कॉलेज संचालकों और शिक्षाविद ने मौजूदा शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों और समाधान पर गहन चर्चा की। तीन सत्रों में विभाजित इस संवाद में शिक्षा के विभिन्न पहलुओं शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की भूमिका, तकनीकी और सरकारी नीतियों पर विचार साझा किए गए। वक्ताओं ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए, जिसे श्रोताओं ने अत्यंत उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण बताया। श्रोताओं की प्रतिक्रिया थी कि यह कार्यक्रम न केवल जागरूकता बढ़ाने वाला रहा, बल्कि इसके माध्यम से सरकार तक एक स्पष्ट संदेश भी पहुंचा है।

केपीएस के चेयरमैन आशुतोष त्रिपाठी का सम्मान करते हुए विधायक पुरंदर मिश्रा

आईएनएच न्यूज और हरिभूमि के संयुक्त तत्वावधान में 'ज्ञान धारा शिक्षा संवाद 2025'

शिक्षा सुधार पर मंथन

कार्यक्रम में विदेशी छात्र-छात्राओं ने की शिरकत

गृह मंत्री विजय शर्मा का स्वागत करते हुए हरिभूमि के जीएम अनिल गहलावत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्वागत करते हुए हरिभूमि के स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा।

राजस्व व खेल मंत्री टंकराम वर्मा का स्वागत करते हरिभूमि के समन्वय संपादक ब्रह्मवीर सिंह।

विधायक गुरु खुशवंत साहेब का स्वागत करते हरिभूमि से प्रसार प्रबंधक अनंतराम साहू

कार्यक्रम के संवाद में डूबे श्रोता।

विधायक गुरु खुशवंत साहेब का स्वागत करते हुए हरिभूमि के मार्केटिंग हेड प्रशांत तिवारी

गृहमंत्री विजय शर्मा का शॉल से सम्मान करते आईएनएच के आउटपुट हेड धीरज शर्मा

मुख्यमंत्री को मोमेंटो देते हुए आईएनएच के स्थानीय संपादक राजेश लाहोटी

विधायक मोतीलाल साहू का स्वागत करते हुए हरिभूमि के अकाउंट मैनेजर अर्निबन गुप्ता

सरस्वती शिशु मंदिर के सचिव संजय जोशी का सम्मान करते हुए विधायक पुरंदर मिश्रा

गृह मंत्री विजय शर्मा व खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने शंकराचार्य कॉलेज भिलाई के चेयरमैन आईपी मिश्रा का स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मान किया।

मैट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर गजराज पगारिया का सम्मान

निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष वीके गोयल का सम्मान करते गृह मंत्री विजय शर्मा व खेल मंत्री टंकराम वर्मा

गृह मंत्री का स्वागत प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के महासचिव मोतीलाल जैन ने किया।

विधायक मोतीलाल साहू का स्वागत करते आईएनएच के आदर्श श्रीवास्तव व सोनू ।

राजकुमार कॉलेज के प्रिंसिपल लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह का सम्मान विधायक पुरंदर मिश्रा ने किया।

आईएनएच न्यूज के नेशनल ब्यूरो हेड शैलेश पांडेय ने आभार प्रदर्शन किया

राजीव गुप्ता का सम्मान करते पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा

विधायक पुरंदर मिश्रा को मोमेंटो भेंट करते आईएनएच के संजय बनवासी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

छत्तीसगढ़ के रेल विकास को मिल रही डबल इंजन की रफ्तार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

रायपुर-जबलपुर (गाड़ी संख्या 11701/11702) एक्सप्रेस शुभारंभ

पर्यटन, व्यापार और शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

16 वर्षों में (2014 से 2030) रेल लाइन का दुगना होगा विस्तार

पिछले 161 वर्षों में (1853 से 2014) तक मात्र **1100 किमी रेल लाइन का हुआ विस्तार**

राज्य में रेल विकास के लिए ऐतिहासिक बजट

- 10 वर्षों में रेल बजट में 22 गुना वृद्धि
- वर्ष 2025-26 में **₹6,925 करोड़** का ऐतिहासिक आवंटन

स्वीकृत नई रेल परियोजनाएँ

- **₹47,447 करोड़** की रेल परियोजनाएँ प्रगति पर
- खरसिया-नवा रायपुर-परमालकसा: 278 किमी - **₹7,854 करोड़**
- गेवरा-पेंड्रा: 155.379 किमी - **₹7448.52 करोड़**
- रावघाट-जगदलपुर: 140 किमी - **₹3,513 करोड़**
- खरसिया-धरमजयगढ़ नई रेल लाइन: 162.5 किमी - **₹3,438.39 करोड़**
- बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन: 206 किमी - **₹2,135.34 करोड़** (छत्तीसगढ़: 153 किमी, ओडिशा: 53 किमी)
- उरगा-धर्मजयगढ़: 62.5 किमी - **₹1686 .22 करोड़**
- सरदेंगा-भालमुड़ा: 37 किमी - **₹1,282 करोड़**
- बोरिडांड़-अंबिकापुर डबलिंग: 80 किमी - **₹776 करोड़**
- केंद्री-धमतरी एवं अभनपुर-राजिम गेज परिवर्तन: 67.20 किमी - **₹544 करोड़**
- 37 किमी दुर्ग-रायपुर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग - **₹88 करोड़**
- 2014 से अब तक **148 रेल फ्लाईओवर और अंडरपास** का हुआ निर्माण
- छत्तीसगढ़ राज्य में **100% रेल नेटवर्क** का विद्युतीकरण
- अभनपुर-मंदिर हसौद सेक्शन में **नई MEMU ट्रेन सेवा प्रारंभ**
- **1,103 किमी** से अधिक की नई रेल परियोजनाएँ
- बिलासपुर-राजनांदगांव चौथी लाइन: **178 किमी**
- दल्लीराजहरा-रावघाट - **95 किमी**

अमृत भारत योजना अंतर्गत ₹1680 करोड़ की लागत से 32 रेलवे स्टेशनों का का पुनर्विकास

- रायपुर **₹456 करोड़** | बिलासपुर **₹435 करोड़** | दुर्ग **₹463 करोड़**

फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS)

- धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा: 301 किमी - **₹16,834 करोड़**
- अंबिकापुर-बरवाडीह: 200 किमी - **₹9,718 करोड़**

प्रदेश की 3 करोड़ जनता की ओर से

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का हृदय से धन्यवाद

हमसे जुड़ने के लिए **QR स्कैन करें**

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

अमेरिका-पाक डील पर बवाल

बलूचिस्तान ने ट्रंप को चेताया, तेल-खनिज हमारी जागीर, पाकिस्तान की नहीं

बलोच बोले, आपको मुनीर ने गुमराह किया

एजेंसी ▶▶| बलूचिस्तान

हाल ही में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच एक कथित तेल समझौते को लेकर भू-राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। इस समझौते की घोषणा के बाद जहां पाकिस्तान ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया, वहीं बलूच राष्ट्रवादी नेताओं ने इस डील पर गहरा विरोध जताया है। बलूचिस्तान से आने वाले प्रमुख नेता मीर यार बलोच ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक खुला पत्र लिखकर इस डील की वैधता पर सवाल उठाए हैं और इसे बलूच जनता के अधिकारों का उल्लंघन करार दिया है। बलोच ने दो टूक कहा कि बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा विशेष रूप से तेल और खनिज किसी विदेशी या पाकिस्तान सरकार की संपत्ति नहीं है।

मीर यार बलोच ने अपने पत्र में स्पष्ट शब्दों में लिखा कि आपको इस क्षेत्र की भौगोलिक और राजनीतिक स्थिति को लेकर जानबूझकर गुमराह किया गया है। जनरल आसिम मुनीर ने आपको यह भरोसा दिलाया कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा है, जबकि सच्चाई यह है कि बलूचिस्तान एक ऐतिहासिक रूप से स्वतंत्र राष्ट्र रहा है जिसे जबरन पाकिस्तान में शामिल किया गया।

आईएसआई और आतंकवाद को मिलेगी नई ताकत

बलोच नेता ने अमेरिका को चेताया कि अगर पाकिस्तान को इन संसाधनों तक पहुंच दी गई, तो इसका सीधा लाभ पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई को मिलेगा। इससे आतंकी नेटवर्क को नई ताकत मिलेगी और वे 9/11 जैसे बड़े हमलों की साजिश रच सकते हैं। पाकिस्तान को संसाधनों का लाभ देना मतलब आईएसआई को और ताकतवर बनाना है, जो पहले से ही वैश्विक आतंकी नेटवर्क को बढ़ावा दे रही है।

बलूचिस्तान बिकाऊ वस्तु नहीं

बलूच नेताओं का मानना है कि यह डील न केवल बलूचिस्तान की संप्रभुता के खिलाफ है, बल्कि स्थानीय लोगों के अधिकारों की पूरी तरह से अनदेखी भी है। मीर यार बलोच ने साफ किया कि बलूचिस्तान न तो पाकिस्तान की जागीर है और न ही किसी अंतरराष्ट्रीय सौदेबाजी की वस्तु।

सीपीईसी और बलूचों की नाराजगी

बलूचिस्तान में संसाधनों का दोहन कोई नई बात नहीं है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा लंबे समय से इस क्षेत्र की राजनीति में अस्थिरता का बड़ा कारण रहा है। स्थानीय बलूच समुदायों का आरोप है कि इस परियोजना के तहत उनके संसाधनों को चीन और पाकिस्तान के आर्थिक हितों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि बलूच जनता को न तो लाभ मिल रहा है और न ही निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी।

बलूचिस्तान की अपनी एक अलग पहचान है

बलोच नेता ने यह भी जोड़ा कि बलूचिस्तान की जनता ने कभी पाकिस्तान में विलय को स्वीकार नहीं किया और आज भी अपनी पहचान और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है। उनके अनुसार, बलूच भूमि पर विदेशी कंपनियों या शक्तियों द्वारा कोई भी व्यापारिक समझौता एकतरफा और अवैध माना जाएगा।

अमेरिका-पाकिस्तान तेल समझौता

अमेरिका-पाक के बीच हुई इस तेल डील को कई विशेषज्ञ भारत के खिलाफ एक कूटनीतिक चाल के तौर पर देख रहे हैं। ट्रंप ने यह तक कह दिया कि भविष्य में भारत को भी पाकिस्तान से तेल खरीदना पड़ सकता है। इस बयान के बाद क्षेत्र में राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है, क्योंकि भारत के लिए ऊर्जा नीति किसी एक देश पर निर्भरता के खिलाफ रही है।

खबर संक्षेप

छात्र को सहपाठियों ने बहस के बाद पीटकर मार डाला

नासिक। महाराष्ट्र में नासिक के एक स्कूल में बैठने की व्यवस्था को लेकर झगड़ा होने के बाद एक कोचिंग सेंटर में दसवीं कक्षा के 16 वर्षीय एक छात्र को उसके दो सहपाठियों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सातपुर में शनिवार देर रात अशोक नगर के यशराज तुकाराम गंगुर्दे की पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। अधिकारी ने कहा, '' 31 जुलाई को गंगुर्दे का अपने सहपाठियों के साथ स्कूल में बैठने की व्यवस्था को लेकर झगड़ा हुआ था। हालांकि, मामला उसी समय सुलझ गया था लेकिन कल रात फिर से भड़क गया और वारदात हो गई।

लोधेश्वर महादेव मंदिर में करंट से दो की मौत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के रामनगर में स्थित पौराणिक तीर्थ स्थल श्री लोधेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक लोहे की सीढ़ी में फैले करंट की चपेट में आने से दो स्थानीय दुकानदारों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रामनगर कोतवाली क्षेत्र के महादेवा में सड़क के किनारे स्थित दुकान की सीढ़ियों में करंट फैल गया।

पहलगाम हमले पर मणिशंकर अय्यर का बयान

हम ही छाती पीटकर कहते हैं कि पाक जिम्मेदार, लेकिन कोई मानता नहीं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बड़ा बयान दिया है। अय्यर ने एक साक्षात्कार में कहा कि हमारे सांसद पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने दुनिया भर में गए, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं मानी। हम इकलौते हैं, जो अपनी छाती पीट-पीटकर कहते हैं कि हाय-हाय पाकिस्तान जिम्मेदार है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अय्यर ने कहा कि भारत सरकार इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहरा रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय में किसी भी देश ने इस दावे पर भरोसा नहीं जताया है। न संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है और न ही अमेरिका ने। सिर्फ हम ही कह रहे हैं कि पाकिस्तान इसके पीछे है, लेकिन कोई हमें गंभीरता से नहीं ले रहा। दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों का हमला तथा भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने सर्वदलीय सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडलों को 33 देशों में भेजा था, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को बेनकाब किया जा सके। इन प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस नेता शशि थरूर, मनीष तिवारी और आनंद शर्मा भी शामिल थे। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा, जिन 33 देशों में हम गए, उनमें से किसी ने भी पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले के लिए दोषी नहीं ठहराया।

किस एजेंसी ने हमला कराया, पुख्ता सबूत नहीं

अय्यर ने आगे कहा, हम यह साबित करने में नाकाम रहे हैं कि आखिर पाकिस्तान की कौन-सी एजेंसी ने यह हमला करवाया। हमारे पास ऐसा कोई पुख्ता सबूत नहीं है जो लोगों को यह यकीन दिला सके कि इसके पीछे पाकिस्तान है। बता दें कि घटना के बाद भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकियों का कनेक्शन सामने रखा था।

क्या कहा मणिशंकर अय्यर ने... पूरा बयान

किसी ने नहीं कहा, वो जो 33 देश... जहां थरूर और उनके लोग गए। किसी ने नहीं कहा कि पाकिस्तान जिम्मेदार है। यूएन ने नहीं कहा कि पाकिस्तान जिम्मेदार है। अमेरिका ने नहीं कहा कि पाकिस्तान जिम्मेदार है। हम ही इकलौते हैं, जो अपनी छाती पीट-पीटकर कहते हैं कि हाय-हाय... पाकिस्तान जिम्मेदार है। कोई मानने को तैयार नहीं है। हम कोई सुबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं, जिससे लोग मुतमईन हों... कि हम जानते हैं कौन-सी पाकिस्तानी एजेंसी है जिसने ये हरकत की है। भारत का पक्ष रखने गया था प्रतिनिधि मंडलबता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताने के लिए 7 डेलिगेशन को 33 देशों में भेजा था। डेलीगेशन में 59 सदस्य थे, जिनमें 51 नेता और 8 राजदूत शामिल थे। इसमें कांग्रेस नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी सहित सभी दलों के नेता भी शामिल थे।

ऑपरेशन महादेव में मारे गए आतंकी

बता दें कि 22 अप्रेल को हुए हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी। बता दें कि ऑपरेशन महादेव' के तहत तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। जिसमें एक आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर था। मारे गए आतंकियों के नाम सुलेमान, अफगानी और जिब्रान हैं।

क्या हुआ था पहलगाम में?

पहलगाम आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। यह हमला उस वक्त हुआ, जब कश्मीर घाटी में पर्यटक सीजन चरम पर था। भारत ने इस हमले के बाद पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकियों के ठिकाने तबाह कर दिए। इसके बाद भारत ने दुनिया को पाक की करतूत बताने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा था।

2000-500 की गड्डियों का ढेर, पैसा गिनते दिखे पूर्व विधायक के खास

आंध्र प्रदेश: शराब घोटाले का मिला वीडियो

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला मामले में पैसों की गड्डियां का ढेर सामने आया है। शराब मामले में एसआईटी अधिकारियों के हाथ अहम सबूत लगे हैं। एसआईटी को एक ऐसा वीडियो मिला है जिसमें पूर्व विधायक चेविरेड्डी के खास आदमी वेंकटेश नायडू इस पैसों की गड्डियां गिनते हुए नजर आ रहे हैं। ये वीडियो कब का है? अब इस पर चर्चा होने लगी है।

11 करोड़ पहले ही हुए जब्त

एसआईटी अधिकारियों ने रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद में शराब घोटाले से जुड़े 11 करोड़ रुपये पहले ही जब्त कर लिए हैं। एसआईटी अधिकारियों ने पहचान की है कि पिछले विधानसभा चुनावों से पहले नकदी बांटने के लिए यह रकम कई जगहों पर छिपाई गई थी।

सांसद समेत कई लोग अब तक गिरफ्तार : इस मामले में वाईएसआरसीपी सांसद पेड्डीरेड्डी वेंकट मिथुन रेड्डी समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसआईटी अधिकारियों ने जांच के तहत वेंकटेश नायडू का फोन भी अपने कब्जे में ले लिया है। वॉट्सएप नोटों के बंडलों की जांच करते हुए उसका एक वीडियो भी बरामद हुआ है। एक अन्य आरोपी राज केसी रेड्डी ने कहा कि हाल ही में मिले पैसों से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

नोटों को पेटी में रखने के लिए किया गया तैयार

एसआईटी को पूर्व विधायक चेविरेड्डी, भास्कर रेड्डी के करीबी सहयोगी वेंकटेश नायडू का नोटों के बंडलों का एक वीडियो भी मिला है। वीडियो में वेंकटेश नायडू और उनके करीबी सहयोगी इस तरह प्राप्त नकदी की गिनती करते दिखाई दे रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि नोटों के बंडल तैयार रखे गए थे, ताकि उन्हें बक्सों में रखा जा सके। वीडियो में बंद हो चुके 2000 रुपये और 500 रुपये के नोटों के बंडल दिखाई दे रहे हैं।

पाक में तीन आतंकी मारे गए, जवान भी मृत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में लगभग 50 आतंकवादियों के एक समूह ने पुलिस चौकी पर घात लगाकर हमला कर दिया जिसमें एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई और तीन आतंकवादी भी मारे गए। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

शरद पवार गुट के नेता ने दिया विवादास्पद बयान

आव्हाड बोले- सनातन धर्म ने भारत को कर दिया है बर्बाद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

एनसीपी के शरद गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए सनातन धर्म के खिलाफ तीखी टिप्पणी की। आव्हाड ने कहा, सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया है। सनातन धर्म नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। चार बार विधायक रहे आव्हाड ने आगे कहा कि सनातन धर्म ही छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक न होने देने और छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम करने के लिए ज़िम्मेदार है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसके अनुयायियों ने समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की हत्या की कोशिश की। उनकी यह टिप्पणी 2008 के मालेगांव विस्फोटों मामले में सभी सात आरोपियों को एक विशेष एनआईए अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आई है, जिससे भगवा आतंकवाद/" शब्द पर राजनीतिक बहस फिर से शुरू हो गई है।

सनातन को विकृत कहने में संकोच न करें : उन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी। इसी सनातन धर्म ने शाहू महाराज की हत्या की साजिश रची। इसने डॉ. बी.आर. आंबेडकर को पानी पीने या स्कूल जाने की इजाजत नहीं दी। आंबेडकर ने सनातन धर्म का विरोध किया, मनुस्मृति को जलाया और उसकी परंपराओं को नकारा।

कौन हैं जितेंद्र आव्हाड

आव्हाड ने अपना राजनीतिक जीवन 1980 के दशक में फीस वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान एक छात्र कार्यकर्ता के रूप में शुरू किया था। बाद में वे 2002 से 2008 तक विधान परिषद के सदस्य रहे। वे 2009 में विधानसभा के लिए चुने गए और तब से अपनी सीट बरकरार रखे हुए हैं। आव्हाड कांग्रेस-राकांपा और महा विकास अघाड़ी, दोनों सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने आवास, चिकित्सा शिक्षा, अल्पसंख्यक विकास और औकाफ जैसे विभागों का कार्यभार संभाला। आव्हाड ने सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों में पीएचडी की है और ओबीसी वंजारी समुदाय से आते हैं। 2018 में, महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने दावा किया था कि चरमपंथियों द्वारा उन्हें निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। आव्हाड ने अपने राजनीतिक संदेश में इस दावे का इस्तेमाल किया है।

जयपुर में निकाली गई कांवड़ यात्रा...

जयपुर। श्रावण मास में छोटीकाशी में शिवभक्ति परवान पर है। श्रावण के आखिरी रविवार को कांवड़ यात्राओं की धूम रही। शहर के शिवालय हर-हर महादेव व बोल बम के जयकारों से गूंज उठे। गलता तीर्थ से अलसुबह ही भक्त कांवड़ में जल लेकर करतब दिखाते हुए निकले।

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

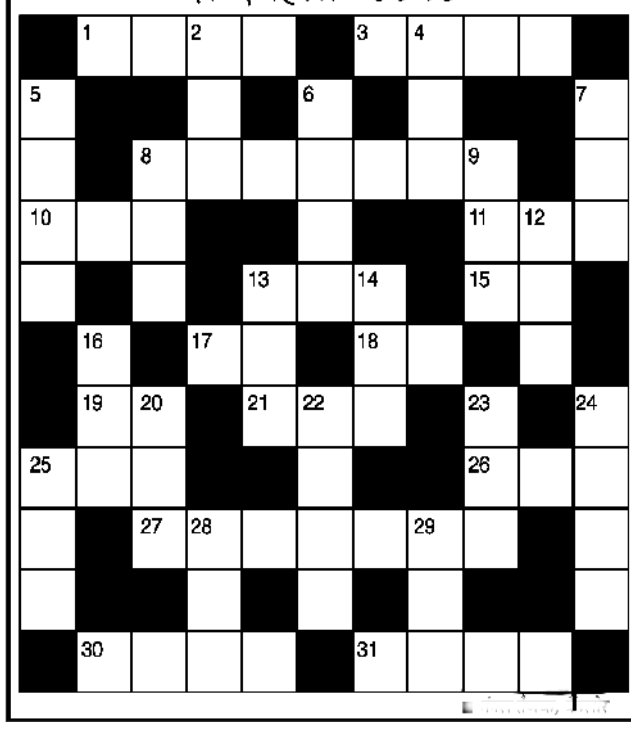

मीन — मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

शब्द पहेली - 5948

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्जं, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 5947 का हल

सूडोकु नवताल- 5958

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5957 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

खबर संक्षेप

पीएनबी का 30 लाख करोड़ कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) चालू वित्त वर्ष के अंत तक 30 लाख करोड़ रुपए के कुल कारोबार के ऐतिहासिक आंकड़े को छूने के लिए पूरी तरह तैयार है। बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने यह उम्मीद जताई। लक्ष्य को हासिल करने के लिए सही रणनीति है।

बीएसएनएल-नुमालीगढ़ रिफाइनरी में समझौता

नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने रिफाइनरी क्षेत्र में 5जी निजी नेटवर्क की तैनाती के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। तत्वावधान में आयोजित 'सीपीएसई के लिए उद्योग 4.0 कार्यशाला' के दौरान दोनों कंपनियों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बुकिंग लक्ष्य की ओर

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि आवास की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है, और कंपनी चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए 32,500 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के लक्ष्य को पूरा करने या उससे भी अधिक की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवास बाजार में जो उत्साह देखा गया था।

पीसी ज्वैलर ने 335 करोड़ का कम किया कर्ज

नई दिल्ली। पीसी ज्वैलर लिमिटेड का शुद्ध कर्ज पिछले चार महीनों में 19 प्रतिशत या 335 करोड़ रुपए घटकर 1,445 करोड़ रुपए रह गया है। पीसी ज्वैलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने बताया कि बिक्री बढ़ने से कर्ज कम करने में मदद मिली और चालू वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी कर्ज मुक्त हो जाएगी।

निप्पॉन इंडिया ने लेह में रखा कदम

लेह। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए लेह में एक शाखा खोली है और अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रही है। सीईओ संदीप सिक्का ने यह जानकारी दी। इस क्षेत्र का वित्तीय परिदृश्य अपेक्षाकृत अविकसित है, और विविध निवेश उत्पादों तक पहुंच सीमित है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड का पूर्व फंड प्रबंधक गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि उसने एक्सिस म्यूचुअल फंड के शेयर सौदों में 'फ्रंट-रनिंग' कर निवेशकों को धोखा देने के आरोप में इसके पूर्व फंड प्रबंधन विरजेश जोशी को धन-शोधन रोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने बताया कि विशेष धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने जोशी को आठ अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। जोशी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

ब्याज दरें, तिमाही नतीजे और शुल्क नीति तय करेंगे इस हफ्ते बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजार ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले, कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों और शुल्क संबंधी खबरों पर नजर रखेगा। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और वैश्विक इक्विटी बाजारों के रुझान भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा, 'घरेलू स्तर पर, सभी की निगाहें भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति बैठक पर होंगी, जहां मुद्रास्फीति, नकदी और वृद्धि को लेकर केंद्रीय बैंक की टिप्पणियों पर गहरी नजर रहेगी। आय के मोर्चे पर भारती एयरटेल, डीएलएफ, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजे आने हैं। अन्य महत्वपूर्ण कारकों में एचएसबीसी सेवा और समग्र पीएमआई की घोषणा, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और व्यापार वार्ता पर अमेरिकी रुख शामिल हैं। ये सभी निकट भविष्य में बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर होगी बैठक

विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निराशा को बढ़ाया

व्यापार संबंधी चिंताओं और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने पिछले सप्ताह बाजारों में निराशा को और बढ़ा दिया। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, 'वैश्विक और घरेलू कारकों से बढ़ी अस्थिरता के बीच छह अगस्त को होने वाली आरबीआई की नीतिगत बैठक एक महत्वपूर्ण घटना होगी।' उन्होंने कहा कि इस बीच अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, ट्रेंट, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा मोटर्स सहित कई प्रमुख कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं, जिससे शेयर-विशिष्ट गतिविधियों में तेजी आ सकती है।

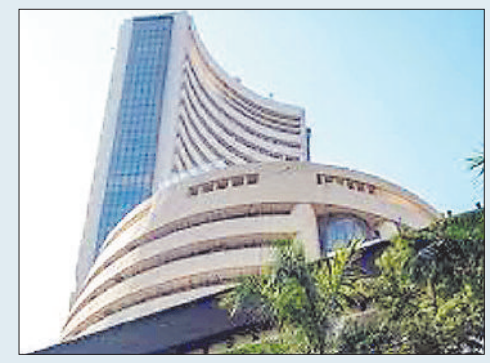

जुर्माना लगाने का फैसला अप्रत्याशित

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ ऊर्जा एवं रक्षा के व्यापार के कारण जुर्माना लगाने का फैसला अप्रत्याशित था। इसने अल्पावधि में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

शेयर बाजारों के मजबूत बने रहने की उम्मीद

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अमेरिकी शुल्क लागू होने, अब तक मिले-जुले नतीजों और एफआईआई की बढ़ती निकासी के बीच भारतीय शेयर बाजारों के मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

भारत का आयात बिल 9-11 अरब डॉलर बढ़ने की संभावना

भारत को रूसी तेल खरीदना पड़ेगा अब महंगा अमेरिकी पाबंदियों से बढ़ सकता है आयात बिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगर भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क या जुर्माना लगाने की अमेरिकी धमकियों से बचने के लिए भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करता है, तो देश का वार्षिक तेल आयात बिल 9-11 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकता है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया।

भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर हासिल किया लाभ

रूसी तेल व्यापार के आधारभूत ढांचे को प्रभावित करेगा

एक ओर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध भारतीय रिफाइनरियों को प्रभावित करेंगे, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शुल्क का खतरा भारत के रूसी तेल व्यापार के आधारभूत ढांचे को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा, ' ये सभी उपाय मिलकर भारत के कच्चे तेल की खरीद के लचीलेपन को कम करते हैं, अनुपालन जोखिम बढ़ाते हैं और लागत में भारी अनिश्चितता पैदा करते हैं।' केप्लर के आंकड़े जुलाई में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में उल्लेखनीय गिरावट दर्शाते हैं (जून में 21 लाख बैरल प्रतिदिन की तुलना में 18 लाख बैरल प्रतिदिन)। हालांकि यह कमी कुछ हद तक नियमित रिफाइनरी रखरखाव और कमजोर मानसून प्रेरित मांग के चलते भी हो सकती है। यह गिरावट सरकारी रिफाइनरों के बीच ज्यादा स्पष्ट है। निजी रिफाइनरी भी खरीद में विविधता ला रही हैं।

जुर्माने की राशि घोषित नहीं

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक है। फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद पश्चिमी देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर महत्वपूर्ण लाभ हासिल किया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद अब हालात बदल गए हैं। अमेरिका ने 25 प्रतिशत शुल्क की अधिसूचना जारी कर दी है, लेकिन जुर्माने की राशि अभी तक घोषित नहीं की गई है। वैश्विक विश्लेषक केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने इसे ''दोतरफा दबाव'' करार दिया।

कपड़ा मंत्रालय करेगा उद्योग जगत के शीर्ष लोगों से मुलाकात

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह अगले सप्ताह उद्योग जगत के हितधारकों से मुलाकात करेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के संभावित असर पर विचार-विमर्श करेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कपड़ा और परिधान निर्यात के लिए अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बाजार है, जो इस क्षेत्र से देश के कुल निर्यात का लगभग 25 प्रतिशत है। बैठक में पिछले महीने हस्ताक्षरित ब्रिटेन-भारत एफटीए से भारत के कपड़ा क्षेत्र को होने वाले संभावित लाभ पर भी चर्चा होगा।सरकार और उद्योग 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के कपड़ा निर्यात लक्ष्य को हासिल करने और अमेरिकी शुल्क घोषणा के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी घोषणा के मद्देनजर घरेलू कपड़ा निर्यातकों को समर्थन देने के लिए किसी भी उपाय पर चर्चा करना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन सरकार इस समय उद्योग जगत की प्रतिक्रिया जानना चाहती है और ब्रिटेन-भारत एफटीए तथा अन्य अप्रयुक्त क्षमता वाले बाजारों के संदर्भ में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करना चाहती है। सूत्रों के अनुसार, 'हम उद्योग जगत के साथ लगातार संपर्क में हैं। मंत्री ने एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। हम विभिन्न पक्षों, भारत की प्रमुख परिधान निर्यात कंपनियों से बात करेंगे। ब्रिटेन-भारत एफटीए से कपड़ा क्षेत्र के लिए तैयार होने वाले अवसरों पर भी चर्चा होगी।'

सात शीर्ष कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1.35 लाख करोड़ रुपए घटा

- टीसीएस को लगा सबसे ज्यादा झटका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 1.35 लाख करोड़ रुपए घट गया।

इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा झटका लगा। पिछले हफ्ते, बीएसई सेंसेक्स 863.1

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन बढ़ा : इस दौरान टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में संयुक्त रूप से 1,35,349.93 करोड़ रुपए की गिरावट आई।

दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर का संयुक्त मूल्यांकन बढ़ा। इन तीनों कंपनियों ने कुल मिलाकर 39,989.72 करोड़ रुपए जोड़े।

एयरटेल का बाजार पूंजीकरण घटा

टीसीएस का मूल्यांकन 47,487.4 करोड़ रुपए घटकर 10,86,547.86 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,936.06 करोड़ रुपए घटकर 10,74,903.87 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 32,013.18 करोड़ रुपए बढ़कर 5,99,462.97 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

आईएचसीएल पूर्वोत्तर में खोलेगा नई होटल

- पूर्वोत्तर में कुल 1,348 कमरों वाले 15 होटल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा समूह की आतिथ्य सेवा इकाई इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) वृद्धि के लिए पूर्वोत्तर में नई संपत्तियों के विकास पर जोर दे रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत चटवाल ने यह जानकारी दी।

काजीरंगा में नई होटल बनाने की योजना : उन्होंने कहा, ''दो संपत्तियों का उन्नयन भी किया जा रहा है, एक गुवाहाटी स्थित मौजूदा विवांता है, जिसे ताज में बदला जाएगा। हम उस संपत्ति का विस्तार कई कमरों, बैंक्वेट हॉल आदि के साथ करेंगे।

हम काजीरंगा (असम) में एक और होटल बनाएंगे।' चटवाल ने यह भी दोहराया कि आईएचसीएल ने पूर्वोत्तर में अपनी पहली 'ताज पैलेस' संपत्ति के लिए त्रिपुरा के अगरतला स्थित 'ताज पुष्पबंता पैलेस' के साथ समझौता किया है।

पूर्वोत्तर के विकास की महत्वाकांक्षा

कंपनी के पास पूर्वोत्तर में कुल 1,348 कमरों वाले 15 होटल हैं। इसके अलावा कुल 634 कमरों वाले छह होटल बन रहे हैं। चटवाल ने बताया कि पूर्व और पूर्वोत्तर में संपत्तियों का विकास एक रणनीतिक पहल का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा, 'जैसे 50 साल पहले गोवा था, 30 साल पहले केरल था। हाल ही में, आपने लक्षद्वीप के बारे में सुना होगा। अब पूर्वोत्तर है। पूर्वोत्तर के विकास की भारत की महत्वाकांक्षा के अनुरुप है। एक टाटा समूह की कंपनी के रूप में यह हमारा योगदान है।' पूर्वोत्तर में शुरू की जा रही कुछ नई परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, 'आईएचसीएल ने असम में जगीरोड जैसी परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जो टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के आगामी कारखाने के सामने है।'

डायनापार क्यूपीएस जैसी उद्देश्यपूर्ण नवाचारों को फार्मा के केंद्र में बने रहना होगा

इंदौर। आज के तेजी से बदलते फार्मास्युटिकल परिदृश्य में, "इनोवेशन" यानी नवाचार अब सिर्फ एक चलन नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे समय में जब दवाइयों की दुनिया तकनीक और मानव-कल्याण के संगम पर खड़ी है, उद्देश्य से प्रेरित नवाचार और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का मेल पहले से कहीं ज़्यादा जरूरी हो गया है। इसी मिशन की अगुवाई कर रहे हैं डॉ. केतन आर. पटेल, ट्रोइका फार्मास्युटिकल्स के चेयरमैन। यह वही कंपनी है जिसने मरीजों की देखभाल को एक नई ऊंचाई देने वाले वैश्विक स्तर के कई नवाचार किए हैं। डॉ. पटेल ने कहा कि "हमारे लिए नवाचार कोई मील का पत्थर नहीं, बल्कि एक सोच है।

ट्रोइका में हम खुद को सिर्फ दवा निर्माता नहीं, बल्कि समस्या का समाधान करने वाला मानते हैं। हमारा उद्देश्य केवल एक है – मरीजों की देखभाल को बेहतर बनाना, और इसके लिए हम सुरक्षित, प्रभावी और सुविधाजनक समाधान विकसित करते हैं।" इस मरीज-केंद्रित सोच ने ट्रोइका को कई अग्रणी उत्पाद बनाने में मदद की है, जिन्होंने इलाज के पारंपरिक मानकों को चुनौती दी है। डॉ. पटेल "डायनापार एक्यू" का उदाहरण देते हैं, जो दुनिया का पहला पेनलेस डाइक्लोफेनाक इंजेक्शन है। "इंजेक्शन के समय होने वाले दर्द की समस्या को हल करने के लिए हमने इसकी फॉर्मूलेशन को फिर से डिजाइन किया, जिससे मरीजों को सूजन से राहत तो मिली, लेकिन दर्द के बिना," वे बताते हैं। अब तक लाखों मरीजों को इस नवाचार से लाभ मिल चुका है। वे आगे "डायनापार क्यूपीएस" की बात करते हैं — एक टॉपिकल सॉल्यूशन जो पारंपरिक स्प्रे की तुलना में 5 गुना गहराई तक पहुंचता है। "हमने बाहरी दर्द उपचार के तरीके को सुधारने का अवसर देखा। हमने लक्षणों को छुपाने की बजाय दवा को लक्षित ऊतकों तक पहुँचाने पर ध्यान केंद्रित किया।" "क्यूपीएस टेक्नोलॉजी पेटेंटेड है और अमेरिका समेत कई देशों में इसे मान्यता मिली है। यह त्वचा में 5 एक्स प्रभावी रूप से प्रवेश करती है जिससे लंबे समय तक दर्द से राहत मिलती है।"

डायनापार क्यूपीएस को और भी खास बनाता है इसका मीटरड पंप, जो हर बार सटीक मात्रा यानी 0.1 एमएल का स्प्रे करता है। जबकि एयरोसोल स्प्रे में डोजिंग नहीं होती और दवा हवा में उड़ जाती है, डायनापार क्यूपीएस सीधे त्वचा पर बिना किसी बर्बादी के दवा देता है। यही "शून्य बर्बादी" इलाज की लागत को कम करती है और असर को बढ़ाती है। एक तुलनात्मक अध्ययन के अनुसार, डायनापार क्यूपीएस की एक 7.5 एमएल की स्प्रे बॉटल, दो 15 जी दर्द निवारक जेल के बराबर प्रभाव देती है। इसका मतलब – बेहद असरदार और किफायती समाधान। इसके वैश्विक पेटेंट और सभी विशेषताओं ने इसे एक अत्यंत विघटनकारी और लंबी राहत देने वाला पेन रिलीफ समाधान बना दिया है। इसके बाद आता है नासो बी12, ट्रोइका का एक और क्रांतिकारी नवाचार। "भारत में 40% से अधिक वयस्कों में विटामिन बी12 की कमी है। पहले तक इसका एकमात्र प्रभावी इलाज दर्दनाक इंजेक्शन थे," डॉ. पटेल बताते हैं। "हमने दुनिया का पहला नाक से लिया जाने वाला विटामिन बी12 स्प्रे बनाया, जो इंजेक्शन जितना ही असरदार है – लेकिन बिना दर्द और बिना परेशानी के।" ट्रोइका की इस निरंतर नवाचार-यात्रा को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जो इस कंपनी को फार्मा इंडस्ट्री में एक अग्रणी बनाते हैं। लेकिन डॉ. पटेल के लिए, नवाचार का असली इनाम कुछ और है – "पुरस्कार संतोषजनक हैं, लेकिन हमारा असली इनाम तब मिलता है जब कोई मरीज हमारे बनाए उत्पाद से लाभान्वित होता है। यही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।" वे आगे कहते हैं, "हमेशा ऐसे विचारों की जरूरत रहेगी जो परंपरा को तोड़ें, वैज्ञानिक सोच से प्रेरित हों और मरीज को सबसे पहले रखें – यहीं असली प्रगति है।" निष्कर्षतः, चाहे हमारे उपकरण बदल जाएं, चाहे ऑटोमेशन और एआई आ जाए, लेकिन हेल्थकेयर इनोवेशन का दिल वही रहेगा — उद्देश्य से प्रेरित, करुणा से संचालित और वैज्ञानिक उत्कृष्टता से निष्पादित। ट्रोइका फार्मास्युटिकल्स इस भावना का उदाहरण है, जो यह याद दिलाता है कि फार्मा का भविष्य उन लोगों पर निर्भर करता है जो वर्तमान को फिर से सोचने का साहस रखते हैं। सस्ती और उद्देश्यपूर्ण नवाचार ही फार्मा इंडस्ट्री को अगली ऊंचाई तक लेकर जाएंगे।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक आकर्षक स्थल, ट्रंप का बयान गलत : भानुमूर्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक आकर्षक स्थल है और पिछले तीन साल से सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताना 'बिल्कुल गलत' है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक एनआर भानुमूर्ति ने रविवार को यह कहा।

- ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताना सही नहीं

भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू कारकों पर आधारित

उन्होंने बताया कि दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के उलट, भारतीय अर्थव्यवस्था काफी हद तक घरेलू कारकों पर आधारित है। विशाल घरेलू बाजार और बढ़ते डिजिटल बाजार के साथ, अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के कारण वृद्धि के मोर्चे पर जोखिम सीमित है। उल्लेखनीय है कि भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस के साथ व्यापार करने को लेकर 'जुर्माना' लगाने की घोषणा के बाद ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, 'मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ कैसे नीचे ले जा सकते हैं।'

भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था

भानुमूर्ति ने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान बिल्कुल गलत है। अगर वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखें, तो भारत निश्चित रूप से संकटग्रस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक 'आकर्षक स्थल' है। पिछले तीन वर्षों से भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी मुद्रास्फीति दर तीन प्रतिशत से भी कम है। अन्य सभी मानदंड जैसे चालू खाता घाटा (कैड), सार्वजनिक ऋण, विदेशी मुद्रा भंडार, सभी एक मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत दे रहे हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति घटकर निचले स्तर पर

उन्होंने कहा, 'अत्यधिक गरीबी लगभग समाप्त हो जाने के साथ, हम जल्द ही चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। इसी तरह, आप जिस भी आर्थिक मानदंड पर नजर डालें, भारत कमजोर स्थिति में नहीं नजर आता है।' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर छह साल के निचले स्तर 2.10 प्रतिशत रही। यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर (चार प्रतिशत) से कम है।

चीन के निर्यात प्रतिबंध के चलते आपूर्ति में आई बाधा

दुर्लभ मेटल्स की चुनौती से भिड़ेगी महिंद्रा इंजीनियरिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा अगले नौ महीनों के लिए वैकल्पिक साधनों के जरिए दुर्लभ मृदा चुंबकों की आपूर्ति की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो के बीच कच्चे माल की कमी से निपटने के लिए वह 'इंजीनियरिंग प्रयास' करेगी।

स्वदेशी समाधान की ओर कदम

वैकल्पिक स्रोतों के के लिए कदम उठाए

चीन के प्रमुख दुर्लभ मृदा चुंबकों पर निर्यात प्रतिबंध लगाने के चलते आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं आई हैं, जिसका असर वाहन और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रों सहित उपयोगकर्ता उद्योगों पर पड़ा है। चुंबक वाहन, घरेलू उपकरण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आवश्यक घटक हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी अमरज्योति बरुआ ने कहा, 'हमने जो भी कदम उठाए हैं, उनके आधार पर वित्त वर्ष 2025-26 का इंतजाम तो मोटे तौर पर है। अब हमें कुछ मध्यम और दीर्घकालिक कदमों पर काम करना होगा।' उन्होंने कहा कि कंपनी ने समस्या से निपटने के लिए वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से भंडार बनाने के लिए कदम उठाए हैं।

ज्यादा इंजीनियरिंग प्रयासों की जरूरत

बरुआ ने कहा, 'अब तक हमारे लिए सब कुछ ठीक रहा है और हमें अगले नौ महीनों में कोई बड़ा जोखिम नजर नहीं आ रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमारी वृद्धि योजनाओं को देखते हुए, हमें अपनी सामान्य गतिविधियों से कहीं ज्यादा बड़े कदम उठाने के बारे में सोचना होगा, और इसके लिए काफी ज्यादा इंजीनियरिंग प्रयासों की जरूरत होगी।' बरुआ ने कहा कि कंपनी के इंजीनियर समाधान निकालने के लिए विभिन्न उपायों पर काम कर रहे हैं। पिछले सप्ताह, मारुति सुजुकी ने कहा कि उसके इंजीनियर दुर्लभ पृथ्वी चुंबक की कमी की समस्या को कम करने के लिए काम कर रहे हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 451/निर्माण/2025 दिनांक 29.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 18 अंतर्गत बरपारा (छोटे नर्सरी) विनय साहू घर से नारायण जी के घर तक नाली निर्माण एवं रोड मरम्मत कार्य (जि.ख. न्या. मद) (प्रथम निविदा)	18.00	19.08.2025 (T.No. 172886)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फूलों से सजी ट्रेन, स्मारक टिकट के साथ 200 से अधिक यात्रियों ने किया सफर, आज से नियमित परिचालन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित रायपुर-जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को रविवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक मोतीलाल साहू, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के अवसर पर ट्रेन को फूलों और गुब्बारों से भव्य रूप से सजाया गया था। आमजनों में ट्रेन को देखने और उसमें सफर करने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पहले दिन स्मारक टिकट के साथ 200 से अधिक यात्रियों ने ट्रेन में यात्रा की। कई परिवारों ने जबलपुर तक का सफर किया, जबकि कुछ यात्रियों ने दुर्ग और डोंगरगढ़ तक यात्रा का आनंद लिया। रेलवे की ओर से ट्रेन की नियमित बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। यह ट्रेन अब 4 अगस्त से प्रतिदिन नियमित रूप से चलेगी। उद्घाटन के दिन ट्रेन लगभग 110 किमी/घंटा की रफ्तार से चली, जिससे यात्री काफी प्रभावित नजर आए। कई यात्रियों ने ट्रेन की सराहना करते हुए इसका अवलोकन किया और यादगार तस्वीरें भी खिंचवाईं। स्टेशनों पर ट्रेन का स्वागत भी पारंपरिक अंदाज़ में फूलों से किया गया। सभी वर्गों में इस नई सुविधा को लेकर खासा उत्साह और सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

अन्य राज्यों में भी शुरू हुई नई रेल सेवाएं

इस अवसर पर रीवा-पुणे (हड़पसर) एक्सप्रेस और भावनगर टर्मिनस-अयोध्या एक्सप्रेस का भी उद्घाटन हुआ। रीवा से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भावनगर से गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

नियमित यात्रियों को समय और किराए दोनों में राहत

रायपुर से जबलपुर और बेलाघाट की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को का सफर न केवल कम समय में तय होगा, बल्कि अंमरकंटक एक्सप्रेस की तुलना में किराया भी काफी कम लगेगा। इंटरसिटी एक्सप्रेस में सेकेंड सीटिंग कोच का किराया मात्र 160 रुपये है, जबकि एसी चेयर कार के लिए यात्रियों को 570 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, अंमरकंटक एक्सप्रेस में स्लीपर कोच का किराया 350 रुपये है। ऐसे में इंटरसिटी एक्सप्रेस विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए लाभकारी साबित हो रही है, जो नियमित रूप से इस रूट पर सफर करते हैं।यात्रियों को राहत देने के उद्देश्य से इंटरसिटी में सेकेंड सीटिंग कोच की संख्या भी अधिक रखी गई है, जिससे अधिक से अधिक लोग कम किराए में यात्रा कर सकें। इसके चलते यह ट्रेन अब यात्रियों की पहली पसंद बनती जा रही है।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बड़े शहरों से जुड़ पाएंगे यात्री

ट्रेन के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार प्रकट किया। कहा कि बीते एक दशक में छत्तीसगढ़ का रेल बजट 21 गुना बढ़ा है। वर्ष 2025-26 के लिए 6900 करोड़ रुपए का रेल बजट आवंटित हुआ है। अब तक 47,447 करोड़ रुपए की रेल परियोजनाएं छत्तीसगढ़ में संचालित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के लिए 1680 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। इन स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। नई रेल सेवा मिलने से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्र जैसे मां बमलेश्वरी की भूमि डोंगरगढ़ और भेड़ाघाट सीधे इन बड़े शहरों से जुड़ पाएंगे।

क्षेत्रीय व्यापार व पर्यटन को भी गति मिलेगी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह रेलसेवा छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बीच बेहतर संपर्क का सशक्त माध्यम बनेगी। 410 किलोमीटर की दूरी को केवल 8 घंटे में तय करेगी। प्रदेश के यात्री अब सुगमता के साथ गोंदिया, बालाघाट और जबलपुर की यात्रा कर पाएंगे और इससे क्षेत्रीय व्यापार व पर्यटन को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तरुण प्रकाश, डीआरएम रायपुर दयानंद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रीएजेंट घोटाले में ईडी जांच के दायरे में तीन आईएएस अफसर, होगी पूछताछ

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सीजीएमएससी तथा स्वास्थ्य विभाग में 660 करोड़ रुपए के रीएजेंट तथा मेडिकल उपकरण आपूर्ति घोटाला में ईडी ने जांच तेज कर दी है। घोटाले को लेकर ईडी के अफसर तीन सीनियर आईएएस अफसरों से पूछताछ कर सकते हैं, जो घोटाले के दौरान छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) में पदस्थ थे। रीएजेंट घोटाले में मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा सहित आधा दर्जन लोग पहले से जेल भेजे जा चुके हैं। ईडी उन सभी को गिरफ्तार कर कोर्ट से पुलिस रिमांड हासिल कर पूछताछ कर सकती है।

रीएजेंट तथा मेडिकल उपकरण घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, घोटाले में कई और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। ईडी ने रीएजेंट घोटाले में अप्रैल में ईसीआईआर दर्ज की है। ईसीआईआर दर्ज करने के तीन माह बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह में ईडी के अफसरों ने रायपुर तथा भिलाई में छापे की कार्रवाई की थी। छापे की कार्रवाई के दौरान ईडी के अफसरों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। दस्तावेजों के अवलोकन के बाद ईडी तीन सीनियर आईएएस अफसरों से पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने की तैयारी है। जिन तीन आईएएस अफसरों को ईडी पूछताछ करने की तैयारी कर रही है, ईओडब्लू के अफसर उनसे पहले पूछताछ कर चुके हैं। रीएजेंट घोटाले में ईओडब्ल्यू ने जिन लोगों को आरोपी बनाया है, उनमें मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा तथा दवा निगम के तत्कालिक उप महाप्रबंधक बसंत कुमार कौशिक, कमलकांत पाटनवार, डॉ. अनिल परसाई, क्षिरौद्र रौतिया, दीपक बांधे को आरोपी बनाया गया है। ईडी के अफसर घोटाले में कई और बड़े लोगों के शामिल होने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। जिम्मेदारों से पूछताछ के बाद ईडी कुछ और लोगों को गिरफ्तार कर सकती है।

रेबीज से मौत... संक्रमण से बचाव की वैक्सीन लगवाकर चिकित्सकीय टीम ने किया पोस्टमार्टम

रायपुर। कुत्ते के पिल्ले के काटने के करीब सात माह बाद रेबीज के प्रभाव से जान गंवाने वाले संतोष ध्रुव का पोस्टमार्टम करने से पहले चिकित्सकीय टीम ने प्रोफिलैक्टिक वैक्सीनेशन कराया। रेबीज के प्रभाव से एग्रेसिव हो चुका संतोष वार्ड से कैसे बाहर निकला और उसके शरीर पर चोट के निशान कैसे बने, यह भी स्पष्ट नहीं हुआ है। मरीज के सिर और चेहरे पर संभावित चोट की गंभीरता का पता लगाने सीटी स्कैन उसकी उग्रता की वजह से नहीं कराया जा सका, जबकि घटना के बाद उसे सामान्य स्थिति में होने का दावा किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षकों की भर्ती...

ने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल युग में बच्चों की मोबाइल की लत से छुड़वाने पालकों को घर में नियम बनाकर खुद भी इसका पालन करना होगा।

कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर रायपुर के सचिव संजय जोशी, दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग के प्रिंसिपल यशपाल शर्मा, कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर के चेयरमैन आशुतोष त्रिपाठी, राजकुमार कॉलेज के प्रिंसिपल लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह और संजय रुंगटा ग्रुप के चेयरमैन संजय रुंगटा प्रमुख रूप से शामिल हुए। सभी अतिथियों ने शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावशाली व समावेशी बनाने को लेकर सकारात्मक विचार रखे। संवाद का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान चुनौतियों को समझना और समाधान की दिशा में सुझाव प्रस्तुत करना रहा।

सवाल- वर्तमान समय ...

हमारा स्टाफ अगर बहुत अच्छा रिजल्ट नहीं देगा तो उस पर एक्शन हो जाएगा, क्या सरकारी स्कूलों में ऐसा कोई सिस्टम है? लेकिन हमारी सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। संजय रूंगटा ने आगे कहा कि आज स्कूल पर स्कूल खुले जा रहे हैं, पर शिक्षकों की भर्ती कम है। जब तक सभी स्कूलों में सही तरीके से शिक्षकों की भर्ती नहीं हो जाएगी, तब तक कम से कम नए स्कूल नहीं खोले जाएं। पहले उनकी जो भर्ती प्रक्रिया पूरी हो, उसके बाद नए स्कूल खोले जाएं। इसके अलावा सरकार यह सुनिश्चित करे कि शिक्षकों की किसी दूसरे कार्यों में ड्यूटी न लगाई जाए।

सवालः वर्तमान शिक्षा...

यह दावा नहीं करतीं कि वे पूर्ण शिक्षा दे रही हैं, वे सिर्फ प्रतियोगिता की तैयारी कराती हैं, जो हमारी शिक्षा प्रणाली के अंतिम चरण में आता है। श्री त्रिपाठी ने कहा, "यह सोच कि स्कूल में पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया जाता, इसलिए बच्चों को कोचिंग भेजना जरूरी है, गलत है। खेलों में कोच होता है, लेकिन कोचिंग संस्थानों में वह व्यक्तिगत मार्गदर्शन नहीं मिलता। वहां हजारों छात्रों को एकसाथ पढ़ाया जाता है, जबकि सीटें सीमित होती हैं।"उन्होंने यह भी जोड़ा, "अगर आज कोचिंग संस्थाएं बंद कर दी जाएं तो भी 10000 सीटें भरने के लिए पर्याप्त योग्य विद्यार्थी मौजूद हैं। हमें जेईई जैसी परीक्षा की नहीं, जीवन की तैयारी पर फोकस करना चाहिए।"

सवालः मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण बच्चों में न सिर्फ रीडिंग हैबिट कम हो रही है, बल्कि शिक्षक का सम्मान और आवश्यकता भी घटती जा रही है। आप भी इस स्थिति से जरूर परेशान होंगे। ऐसे में आप लोग किस स्तर पर इसे नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे हैं?

जवाबः दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग के प्रिंसिपल यशपाल शर्मा ने कहा कि स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं है, लेकिन असली चुनौती घर के माहौल में है, जहां बच्चे आसानी से फोन का उपयोग करते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को अनियंत्रित रूप से मोबाइल न दें। उन्होंने सुझाव दिया कि मोबाइल उपयोग के लिए एक कोड ऑफ कंडक्ट तय किया जाना चाहिए। प्रत्येक परिवार को एक निर्धारित समय के बाद फोन के उपयोग पर रोक लगानी चाहिए और सभी सदस्य अपना मोबाइल एक कमरे में रख दें। ऐसे अनुशासित और सामूहिक प्रयासों से बच्चों में मोबाइल की लत को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है।

सवाल- वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को किस तरह से देखते है? सरकार को क्या बेहतर करने की जरूरत है?

जवाब - सरस्वती शिशु मंदिर रायपुर के सचिव संजय जोशी का कहना है, मैं मानता हूं कि संसाधनों की कमी है। सरकारी स्कूलों में उस तरह की सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन फिर भी कहीं-कहीं हमें दिखता है कि कहीं अध्यापक कम हैं, कई जगह भवन जर्जर हैं, लेकिन मुझे जो लगता है कि जो वर्तमान सरकार है, मुख्यमंत्री विष्णु देव जी की, उनका जो प्रयास मुझे दिखता है कि जिस तरह से क्रियान्वयन के लिए जितनी चिट्ठियां हमें सीबीएसई से आती हैं, इतनी हमें शिक्षा अधिकारी के यहां से भी आती हैं तो इस तरह से हमारी केंद्र की और राज्य की सरकार शिक्षा पर केंद्रित दिखती है। आने वाले समय में सकारात्मक चीजें और बेहतर ढंग से बढ़कर आगे आएंगी और जब बच्चों के अंदर भी यह कौशल विकास की तरह की चीजें जाएंगी तो मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ 20-25 साल पहले जहां था, आज वहां से बहुत आगे है और आने वाले समय में एक अग्रणी राज्य रूप में जाना जाएगा।

तेजस्वी की बढ़ीं...

"बदल दिया गया" है, लेकिन जिला मजिस्ट्रेट त्यागराज एस एम ने इस दावे को खारिज कर दिया। जिलाधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में ईपीआईसी नंबर वही है जो विपक्ष के माननीय नेता ने 2020 के विधानसभा चुनावों में अपने हलफनामे में प्रस्तुत किया था। यदि उनके पास किसी अन्य नंबर वाला कोई अन्य ईपीआईसी कार्ड भी है, तो यह जांच का विषय है।

अवमानना मामले में...

दायर अपील पर सुनाया गया, जिन्होंने धमतरी के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू करने की मांग की थी।

धमतरी के रहने वाले शैलेन्द्र ज्ञानचंदानी ने आरोप लगाया था कि धमतरी के तत्कालीन पुलिस अधिकारी एसपी आंजनेय वैष्णव, सीएसपी नेहा पवार, थाना प्रभारी राजेश मरई और अमित बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) के आदेशों की अवहेलना करते हुए गिरफ्तारी की प्रक्रिया में अवमानना की है। उन्होंने हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर कार्रवाई की मांग की थी, जिसे एकल पीठ ने 21 अक्टूबर 2024 को खारिज कर दिया और अवमानना कार्रवाई शुरू करने से मना कर दिया था।

कानूनन यह अपील ...

केवल दंडादेश के खिलाफ ही दाखिल की जा सकती है। यहां अवमानना कार्रवाई की ही अस्वीकृति हुई है, जो अपील योग्य नहीं है।

छाल के जंगलों में ...

में मुनादी करा कर ग्रामीणों को अलर्ट करते हुए कहा जा रहा है कि जंगलों की तरफ जाने से बचें। चूंकि हाथियों के बाद अब यहां बाघ आने की जानकारी मिली है। ज्ञात हो कि सप्ताहभर पहले छाल रेंज के हाटी से लगे साम्हरसिंघा में बाघ के पदचिन्हों की जानकारी मिली थी।

6 अलग-अलग ...

के जंगलों में मिले पदचिन्हों से हुई थी और अब लैलूंगा के जंगलों में भी इसके पैरों के निशान मिले हैं। जिसके कारण आसपास के गांव में मुनादी के जरिए गांव वालों को अलर्ट किया गया है।

हाथी के बाद अब ...

सहयोग की उम्मीद करते हुए सुरक्षा के उपाय तलाश रहे हैं। इतना ही नहीं बाघ की दहशत के चलते ग्रामीण अपने मवेशियों जंगल भेजने से भी कतरा रहे हैं।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं: जनरल मेडिसीन, छाती रोग, हृदय रोग, सांस एवं फेफड़ा रोग, दंत रोग, डायबिटीज, त्वचा रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बच्चों के रोग, जोड़ एवं हड्डी रोग, आंख, कान, गला रोग, जनरल सर्जरी, ऑन्कोलॉजी विभाग, यूरोलॉजी, फिजियोथेरेपी, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे, सीटी स्कैन, क्रिटिकल केयर यूनिट, आईसीयू, ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कापा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
कान, नाक, गला रोग
Hearing Aids
दंत रोग
मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर, खरांटे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हैलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम में सेल्स कार्य के लिए एवं काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मित्तल फर्नीचर, अमेरी चौक बिलासपुर 9826663999 (38372)

आवश्यकता है- एजेन्सी में काम करने हेतु सेल्समैन लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। 2 साल से ज्यादा का अनुभव होना जरूरी है। सिर्फ अनुभवी ही सम्पर्क करें- 9926199500 (38374)

आवश्यकता है- बम्पर भर्ती Ordeal कम्पनी में 60 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना खाना फ्री परमानेंट जॉब पता- उस्लापुर ब्रिज ओव्हर के पास दीपसागर नगर बिलासपुर 80034 02269 (38376)

आवश्यकता है- सिविल इंजीनियर एवं रजिस्ट्री कार्य, बैंक कार्य, कम्प्यूटर हेतु आपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9343944160, 75661 78725 (38354)

आवश्यकता है- सिविल कार्य हेतु मकान प्लास्टर, जुड़ाई, ढलाई मिस्त्री कुली, रेजा, ठेकेदार एवं छोटा हाथी गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- रामकृष्ण नगर मारुति शोरूम के पास मोपका बिलासपुर 9300350334 (38371)

आवश्यकता है- मार्केटिंग में फोर व्हीलर छोटा हाथी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- अरोरा बेकरी बृहस्पति बाजार के पास बिलासपुर 9827164721 (38370)

आवश्यकता है- पार्सल डिलिवरी करने के लिए लड़के की एवं मेडिकल स्टोर में कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8319774327, 7489874508 (38375)

आवश्यकता है- बुजुर्ग महिला के लिए केयर टेकर (हाउस किपिंग कार्य जो पेट से मोशन साफ कर सके) की। कार्य समय- रात्रि 8 से सुबह 8 बजे, (वेतन योग्यता अनुसार) सम्पर्क करें- 9131150362 (38360)

आवश्यकता है- साड़ी शोरुम में काम करने हेतु अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। अनुभवी ही सम्पूर्ण विवरण सहित सम्पर्क करें- कोसा क्रियेशन, जूनी लाइन, बिलासपुर (वेतन योग्यता अनुसार 6000 से 9000 प्रतिमाह) (38373)

आवश्यकता है- 5वर्ष अनुभवी John Bean व्हील एलाइन्मेंट, बैलेंसिंग, टायर चेंजिंग एवं नाइट्रोजन फिलिंग कार्य करने के लिए ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8927400000 (38363)

आवश्यकता है- एजेन्सी में छोटा हाथी, ऑटो ड्राइवर एवं सप्लाई हेतु पार्टटाइम शाम को 2-3 घंटो के लिये लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क- महावीर एजेन्सी MIG-15 नेहरू नगर रोड, बिलासपुर 9755885780, 98930 56083 (38364)

आवश्यकता है- X-Ray टेक्नीशियन की कोटा और सीपत के लिए आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (38351)

आवश्यकता है- Darshan EMU India Pvt. Ltd. कम्पनी में आफिस एवं सेल्स कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9238779974, 934340 0633 (38369)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 77470 00019, 7746000016, 7747000016, 77460 00019 (074)

आवश्यकता है- Aquaguard सर्विस सेन्टर में फील्ड कार्य के लिए 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट बाईक वाले लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हर्ष इंटरप्राइजेस, विनोबा नगर बिलासपुर 90390 14222, 8962337374 (38358)

आवश्यकता है- नौकरी की भर्ती ऑथर्स क्लिक प्रकाशन में टेलीकॉलर (केवल लड़कियों के लिए। योग्यता स्नातक (किसी भी क्षेत्र से) स्थान वासुदेव कॉम्प्लेक्स, सीपत रोड, सरकंडा, बिलासपुर सम्पर्क करें- 8815446519 (38368)

आवश्यकता है- 24/12 घण्टे कार्य हेतु जिम्मेदार एवं भरोसेमंद महिला कर्मचारी (वार्डन) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। कार्य स्थल- गर्ल्स हॉस्टल, कोनी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के सामने बिलासपुर सम्पर्क करें 8357988484 (38350)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Reliance jio 5-G कंपनी घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification, Call/ WhatsApp करें- 6200736250 (1082)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार पता- श्री शंकर इंटरप्राइजेज (इलेक्ट्रॉनिक्स फर्नीचर शोरूम) तेलीपारा बिलासपुर सम्पर्क करें 9691169665 (38361)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो ग्वालियर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन + बोनस प्रमोशन + ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20हजार महीना मो. 9039470547, 88155 22974 (6713)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास छात्रों की आवश्यकता है जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना सम्पर्क करें- 8770508791, 72258 15090 (604)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे, रहना फ्री, सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8085106943 (191)

बेचना

बेचना है- सरकंडा माता चौरा बिही बाड़ी के पास साइज 33×58= 1914 वर्गफुट का डायवर्टेड प्लॉट बेचना है हॉस्टल के लिए उपयुक्त स्थान है सम्पर्क करें- 9302544949 9827176023 (38357)

बेचना है-73 का फ्रंट 3405 फुट, 25फुट रोड नया पुल नेहरू चौक के पास डॉ. एसके तिवारी के बगल में, TNC एप्रूव्ड चितले कॉलोनी में पुराना मकान। सम्पर्क करें- 982747 3604, 9827938236 (38327)

बेचना है- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा के समीप यदुनन्दन नगर में 950 वर्गफिट डबल रोड डायवर्टेड जमीन एवं पूर्व मुखी डबल स्टोरी 3BHK मकान लाल ईट, फालसीलिंग मॉड्यूलर किचन सम्पर्क करें- 9826314444 (38359)

बेचना है- HDFC बैंक सरकंडा के पास 43×180, लोयला स्कूल के पास 80×130, सरस्वती कॉलेज के सामने 100×130, सेंदरी सकरी हाइवे रोड ऊपर काके दी ढाबा के पास निरतू कोनी बिलासपुर 65×184, 132×184 का शानदार प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9406441535, 93008 78897 (38367)

खरीदना

खरीदना- बिलासपुर से अधिकतम 15 कि.मी. की दूरी पर मेन रोड से लगी हुई कृषि भूमि खरीदना है। कृपया भूमि स्वामी ही सम्पर्क करें- 83490 54531 (38365)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण-सबसे कम दामों में ट्राली, टेंकर, हाइड्रोलिक ट्राली मल्टीक्रॉप थ्रेसर, कल्टीवेटर, केजव्हील, कोपर, दतारी, लेबलर सभी कृषि उपकरण, रिपेयरिंग, पेन्टिग एक्सचेन्ज हेतु सुविधा- किसान एग्रो गतौरी रतनपुर रोड 9827683510, 9827892413 (38268)

फायनेंस

फायनेंस- रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर मुद्रा लोन योजना अंतर्गत सभी प्रकार लोन आसान किस्तों पर प्राप्त करे घर बैठे 2% वार्षिक ब्याज 30% छूट महिलाओं और किसानों को विशेष छूट हेल्पलाइन 8127684826, हेडऑफिस 9889062539 (203)

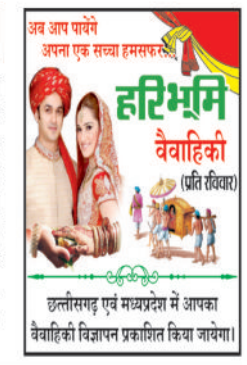

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नेशनल बैंक ओपन : विक्टोरिया ने कोको गॉफ को हराकर किया उलटफेर, पोपिरिन क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी ▶▶ मांट्रियल

कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गॉफ को हराकर उलटफेर करते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

- 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया

गॉफ ने पांच डबल फॉल्ट किए

मुकाबले में गॉफ ने पांच डबल फॉल्ट किए। उन्होंने पहले मैच में डेनियली कोलिन्स के खिलाफ 23 और वेरोनिका कुदरमेतोवा के खिलाफ 14 डबल फॉल्ट किए थे। मई में गॉफ ने रोम में एमकोबो के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-6 6-2 6-1 से जीत दर्ज की थी। अन्य मुकाबलों में 24वीं वरीय यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने अमेरिका की मैकार्टनी केसलर को 5-7 6-3 6-3 जबकि कजाखस्तान की नौंवी वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी।

क्वार्टर फाइनल में रूण को हराया

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

ऑस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया।

अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से पराजित किया।

खबर संक्षेप

अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीते शिवम, मौसम

बैंकॉक। भारत के शिवम और मौसम सुहाग ने अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने वजन वर्ग में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की। पुरुष 55 किग्रा वर्ग में शिवम ने तीनों राउंड में दबदबा बनाते हुए तुर्कमेनिस्तान के बेजिरगेन अनायेव को सर्वसम्मत फैसले से हराया। इसके बाद मौसम ने 65 किग्रा वर्ग में कड़े मुकाबले में कजाखस्तान के नूरकाबिलुली मुखित को 3-2 से हराया। अंडर-19 वर्ग में हालाकि शुभम को 60 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान के तोर्तुबेक आदिलेत के खिलाफ 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

42वें स्थान पर खिसकी दीक्षा

पोर्थकॉल (वेल्स)। भारत की दीक्षा डागर लगातार दूसरे दौर में एक ओवर 73 के स्कोर से एआईजी महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 28वें से संयुक्त 42वें स्थान पर खिसक गईं।

चौबीस साल की दीक्षा ने दूसरी बार इस टूर्नामेंट में कट हासिल किया है। दीक्षा ने तीसरे दौर में एक ईगल, तीन बर्डी, दो डबल बोगी और दो बोगी की। तीसरे दौर के बाद उनका कुल स्कोर एक ओवर है। इस बीच मियु यामाशिता दो ओवर 74 के स्कोर से कुल नौ अंडर के स्कोर से शीर्ष पर बरकरार हैं। चौबीसवें जन्मदिन के दिन हालांकि यामाशिता की बढ़त तीन शॉट से सिर्फ एक शॉट की रह गई।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली। रोहन राठी ने अंतिम गेंद पर छक्का जड़कर दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र के पहले मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स को साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स पर पांच विकेट की जीत दिलाई। सुपरस्टार्स के 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राइडर्स को अंतिम ओवर में 15 रन की जरूरत थी और राठी ने काव्य गुप्ता के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी। राइडर्स की तरफ से कप्तान अनुज रावत ने 35 गेंद में 55 जबकि मयंक रावत ने 20 गेंद में 30 रन बनाए। हार्दिक शर्मा ने 27 रन की उपयोगी पारी खेली। सुपरस्टार्स ने इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 169 रन का स्कोर खड़ा किया।

स्कॉटिश चैलेंज : तलवार 54वें स्थान पर खिसके

रॉक्सबर्ग। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार स्कॉटिश चैलेंज के तीसरे दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 54वें स्थान पर पर खिसक गए। तलवार ने शुरुआती दौर में पांच अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला था लेकिन दूसरे और तीसरे दौर में एक समान 72 के कार्ड के बाद उनका कुल स्कोर तीन अंडर का हो गया। स्कॉटलैंड के डेनियन यंग सात अंडर 64 का शानदार कार्ड खेलने के बाद चार शॉट की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

कृष्णा ने बेथल और रूट के झटके विकेट

रोमांचक मोड़ पर पहुंचा ओवल टेस्ट, इंग्लैंड जीत से 35 रन दूर, भारत को 4 विकेट की दरकार

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की श्रृंखला का रोमांचक पांचवें टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल रविवार को खराब रोशनी और फिर बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका। दिन का खेल रोके जाते समय इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी जबकि भारत को चार विकेट की दरकार है। इस समय जैमी स्मिथ दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे जबकि जैमी ओवरटन ने खाता नहीं खोला था।

जीत के लिए ओवल मैदान पर रिकॉर्ड 374 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने छह विकेट पर 339 रन बना लिए है। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे है। चोट के कारण पहली पारी में बल्लेबाजी नहीं करने वाले क्रिस वोक्स हालांकि ड्रेसिंग रूम में चोटिल हाथ में स्लिंग लगाए टेस्ट टीम की जर्सी में दिखे, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने चाय के विश्राम के बाद शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत की उम्मीदें जगा दी है। इंग्लैंड चाय के विश्राम तक चार विकेट पर 317 रन बनाकर काफी मजबूत स्थिति में था लेकिन कृष्णा ने जेकब बेथल और जो रूट को आउट कर रोमांच बढ़ा दिया। रूट ने 105 रन बनाए। उन्हें दिन के शुरुआती दो सत्र में हैरी ब्रुक का शानदार साथ मिला। ब्रुक ने 98 गेंद में 111 रन की आक्रामक पारी खेलने के अलावा रूट के साथ 195 रन की साझेदारी कर मैच पर इंग्लैंड का दबदबा कायम किया।

रूट ने कुमार संगकारा को पछाड़ा

जो रूट का इंग्लैंड के लिए यह रेड बॉल फॉर्मेट में 39वां शतक रहा। इसके साथ ही रूट टेस्ट में अब सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गए हैं। रूट ने श्रीलंका के कुमार संगकारा को पछाड़ दिया है, जिन्होंने टेस्ट में 38 शतक लगाए थे। अब उनसे आगे शतक के मामले में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (41), दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस (45) और भारत के सचिन तेंदुलकर (51) मौजूद हैं।

स्मिथ से आगे निकले रूट

रूट ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की और अब वह एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ (12 बनाम इंग्लैंड) और इंग्लैंड के जैक हॉब्स (12 शतक बनाम ऑस्ट्रेलिया) को पीछे छोड़ दिया है। रूट भारत के खिलाफ 13 शतक जड़ चुके हैं। एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में टॉप पर ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमैन हैं, जिनके नाम इंग्लैंड के खिलाफ 19 शतक दर्ज हैं।

टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है

सिर्फ 'बिग थ्री' को टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए नहीं देख सकते: गूच

एजेंसी ▶▶ लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ग्राहम गूच का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैच की कड़ी श्रृंखला दबाव झेल रहे टेस्ट प्रारुप के लिए बिल्कुल सही प्रेरणा है लेकिन उन्हें डर है कि सिर्फ 'बिग थ्री' (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों के एक-दूसरे के साथ अधिक खेलने का मौजूदा चलन अंततः बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा।

अधिकतर टेस्ट क्रिकेट भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है, जो पांच मैच की श्रृंखला में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर देश केवल दो या तीन मैच की श्रृंखला में ही हिस्सा लेते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान गूच ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को 'बिग थ्री' देशों से आगे बढ़कर फलने-फूलने की जरूरत है।

गूच ने कहा, 'मुझे लगता है कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और यह देखने की

जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे मदद कर सकते हैं। मैं छोटे देशों की बात नहीं करूंगा, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर देशों की बात करूंगा।'

टेस्ट क्रिकेट में 8900 रन के साथ इंग्लैंड के तीसरे सबसे सफल बल्लेबाज 72 वर्षीय गूच ने कहा, 'क्योंकि आपको टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है। आप सिर्फ तीन टीम के बीच नहीं खेल सकते। अगर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका जैसी दूसरी टीम कम टेस्ट क्रिकेट खेलेंगी तो किसी के पास खेलने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए उन्हें खेल का पूरा समर्थन करना होगा।'

दबाव में टेस्ट क्रिकेट

भारत और इंग्लैंड ने पांच मैच की श्रृंखला में एक-दूसरे को बेहद कड़ी टक्कर दी है और ऐसे में गूच यहां खेले गए क्रिकेट और इन नजदीकी मैचों में पैदा हुए तनाव से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार श्रृंखला रही है और टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद अच्छी है। क्योंकि हम जानते हैं कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट दुनिया भर में छाया हुआ है और टेस्ट क्रिकेट दबाव में है।'' गूच ने कहा, 'तो इस तरह की श्रृंखला में काफी रोमांच, काफी अच्छा क्रिकेट, ढेर सारे रन, शानदार गेंदबाजी, और तनाव, कभी-कभी खेल में थोड़ी-बहुत चुभन भी होती है, जिससे असल में मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'दोनों टीमों

क्रिकेट

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को हराया, दर्ज की रोमांचक जीत

एजेंसी ▶▶ लॉडरहिल (अमेरिका)

जैसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा, जिससे वेस्टइंडीज ने कुछ विषम पलों से गुजरते हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

- टी20 में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की

अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को नौ विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर पांच विकेट पर 70 रन था, लेकिन गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने उसे मुकाबले में बनाए रखा।

वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर वेस्टइंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 135 रन पर पहुंचाया।

होल्डर ने 10 गेंद पर नाबाद 16 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद नवाज ने तीन और सैम अयूब ने दो विकेट लिए। यह वेस्टइंडीज की सात टी20 मैचों में पहली जीत है। उसे पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से हराया था।

राहुल ने की हर मिनट इंग्लैंड श्रृंखला की तैयारी : नायर

मुंबई। भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि लोकेश राहुल ने अपने आखिरी आईपीएल मैच के बाद हर मिनट इंग्लैंड दौरे की तैयारी में बिताया है और टीम के लिए सभी क्रम पर खेलने से मिलने वाली प्रशंसा के वह हकदार हैं। राहुल पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 53.20 की औसत से 532 रन बनाए और यशस्वी जायसवाल के साथ एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाई।

कुछ समय पहले तक भारत के सहायक कोच के रूप में काम करने वाले नायर ने कहा कि वह राहुल के किए बदलावों का खुलासा नहीं कर सकते लेकिन वह वांछित परिणाम देखकर खुश हैं। नायर ने कहा, 'मैं लोकेश राहुल में देखे गए बदलावों के बारे में बात नहीं कर सकता क्योंकि इससे उसका प्रभाव काफी कम हो जाएगा।' उन्होंने कहा, 'मैं बस इतना कह सकता हूं कि जो भी बदलाव हुए हैं, वे वाकई कारगर रहे हैं।'

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 ट्रायल

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में 'विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025' के लिए ट्रायल के दौरान 50 किलोग्राम स्पर्धा में पहलवान अंकुश और नीलम प्रतिस्पर्धा करते हुए।

कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया

ब्राजील ने जीता कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब

एजेंसी ▶▶ क्विटो (इक्वाडोर)

छह बार विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही मार्टा के शानदार प्रदर्शन की मदद से ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम ने तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवां कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीता। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर 39 वर्षीय मार्टा ने 82वें मिनट में मैदान पर कदम रखा और इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके ब्राजील को 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में भी गोल किया, जिससे ब्राजील ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई।

एंजेलिना और अमांडा ने दागे गोल

ब्राजील की तरफ से 45वें मिनट में एंजेलिना अलोंसो और 80वें मिनट में अमांडा गुटिएरेस ने भी गोल किए। कोलंबिया के लिए लिंडा कैसेडो ने 25वें मिनट में, मायरा रामिरेज ने 88वें मिनट में और सैंटोस ने गोल किए। ब्राजील की डिफेंडर टार्सियाने ने 69वें मिनट में आत्मघाती गोल भी किया।

मार्टा ने 206 मैचों में 122 गोल किए

लेसी सैंटोस ने 115वें मिनट में गोल करके कोलंबिया को 4-4 की बराबरी पर ला दिया और मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। गोलकीपर लोरेना दा सिल्वा ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर ब्राजील को महाद्वीपीय चैंपियनशिप में लगातार पांचवां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ब्राजील ने पिछले पांच फाइनल में चौथी बार कोलंबिया को हराया। छह विश्व कप और छह ओलंपिक खेल चुकी मार्टा ने ब्राजील की तरफ से 206 मैचों में 122 गोल किए हैं।

Dr. Juneja's
पेट सफा
Natural Laxative Granules & Tablets
सहायक है: कब्ज़ गैस एसिडिटी
अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान है तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टैबलेट्स । यह मुंह में चिपकता नहीं । सोने से पहले खाएं और आराम पाएं ।

Provides Effective Relief
Balances Digestive Health
Ayurvedic Proprietary Medicine
Divisa
www.divisastore.com
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores
UIN-A01-AY-PB-2025

8.8 भूकंप के बाद 450 साल से सोया ज्वालामुखी फटा, आसमान में मचा कहर

मास्को। रूस के सुदूर कामचटका क्षेत्र में मौजूद क्राशेनीनिकोव 450 सालों से शांत ज्वालामुखी अचानक फट पड़ा है। रूस की इमरजेंसी सर्विस ने रविवार (3 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। यह विस्फोट ऐसे वक्त में हुआ है जब कुछ ही दिन पहले इसी क्षेत्र में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जो अब तक का सबसे ताकतवर भूकंप माना जा रहा है। ज्वालामुखी के फटने के बाद आसमान में भारी मात्रा में राख का गुबार देखा गया, जिसकी तस्वीरें रूसी सरकारी मीडिया ने जारी की हैं। स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन के ग्लोबल वोल्कैनिज्म प्रोग्राम के मुताबिक, इस ज्वालामुखी का पिछला विस्फोट 1550 में हुआ था। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तरह का अचानक विस्फोट क्षेत्र के पर्यावरण और लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

रूस में महाभूकंप और चेतावनी

ये दोनों विस्फोट बुधवार (30 जुलाई) को रूस में रिक्टर पैमाने पर 8.8 तीव्रता के एक बड़े भूकंप के बाद हुए हैं। इस भूकंप ने लोगों को हिलाकर रख दिया और देश के साथ-साथ जापान और अमेरिका में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस शक्तिशाली भूकंप का केंद्र रूस में पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 133 किमी दक्षिण-पूर्व में 74 किमी की गहराई में मौजूद था। क्षेत्रीय भूकंपीय निगरानी सेवा के मुताबिक, यह महाभूकंप 1952 के बाद से इस क्षेत्र का सबसे ताकतवर भूकंप था।

पिछले 25 सालों में 18 विस्फोट

क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट बुधवार को हुए एक और ज्वालामुखी विस्फोट के बाद हुआ है। क्लुचेव्स्कॉय ज्वालामुखी, यूरोप और एशिया का सबसे एक्टिव वोलकेनो है। एएफपी के मुताबिक, क्लुचेव्स्कॉय में विस्फोट बहुत आम हैं। ग्लोबल वोल्केनिज्म प्रोग्राम के मुताबिक, पिछले 25 सालों में - 2000 से कम से कम 18 विस्फोट दर्ज किए गए हैं।'

ऑरेंज अलर्ट जारी

कामचटका इमरजेंसी सर्विस द्वारा जारी एक टेलीग्राम पोस्ट के मुताबिक, ज्वालामुखी से निकलने वाली राख का गुबार 6,000 मीटर (19,700 फीट) की ऊंचाई तक पहुंचने का अनुमान है। उसने अपने पोस्ट में कहा, 'यह गुबार ज्वालामुखी से पूर्व की तरफ प्रशांत महासागर की ओर फैल रहा है। इसके रास्ते में कोई आबादी वाला इलाका नहीं है, और आबादी वाले इलाकों में राख गिरने की कोई सूचना नहीं मिली है।'

रोचक खबरें

1 घंटे के लिए मर गई महिला, स्वर्ग देख वापस लौटी, उठकर बताई उस दुनिया की सच्चाई!

वॉशिंगटन। क्या कोई इंसान मरने के बाद वापस लौटकर उस दुनिया की सच्चाई बता सकता है? यह सवाल वर्षों से वैज्ञानिकों, दार्शनिकों और आम लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा है। 1991 में अमेरिका की पाम रेनॉल्ड्स के साथ घटी एक ऐसी घटना ने इस बहस को नया मोड़ दे दिया था। पाम ने एक ऐसी ब्रेन सर्जरी के दौरान 1 घंटे तक क्लिनिकली मृत रहने के बाद जो अनुभव साझा किया, उसने डॉक्टर्स से लेकर आम लोगों तक को हैरान कर दिया.उन्होंने दावा किया कि उन्होंने स्वर्ग देखा और उस दुनिया की सैर की, जहां उनके मृत रिश्तेदार और एक रहस्यमयी रोशनी थी।

1991 में पाम रेनॉल्ड्स, जो एक गायिका और गीतकार थी, को एक जटिल और बेहद जोखिम भरी ब्रेन सर्जरी से गुजरना पड़ा। उनके मस्तिष्क में एक एन्यूरिज्म (धमनीविस्फार) था, जिसके इलाज के लिए डॉक्टर्स को असाधारण कदम उठाने पड़े। सर्जरी के दौरान उनके शरीर का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक कम कर दिया गया, उनके खून को निकाला गया और दिल को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। इस प्रक्रिया को 'हाइपोथर्मिक कार्डियक अरेस्ट' कहा जाता है। इस दौरान पाम क्लिनिकली मृत थीं, यानी उनके मस्तिष्क और शरीर की कोई गतिविधि नहीं थी। लेकिन, जब सर्जरी के बाद पाम जिंदा होकर होश में आईं, तो उन्होंने जो बताया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था।

पाम ने डॉक्टर्स को बताया कि वह सर्जरी के दौरान होश में थीं और ऑपरेशन थिएटर में होने वाली हर बात को सुन रही थीं। उन्होंने डॉक्टर्स की बातचीत और उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए सर्जिकल औजारों का सटीक वर्णन किया। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि वह अपने शरीर से बाहर निकलकर हवा में तैर रही थीं और ऑपरेशन को ऊपर से देख रही थीं।

2000 साल पुराने ताबीज में मिला वो जीव! जो 25 करोड़ साल पहले हुआ था गायब

बार्सिलोना। इतिहास और विज्ञान अक्सर हमें ऐसी हैरतअंगेज चीजें दिखाते हैं, जिन पर भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। सदियों से जमीन में दबी कई चीजें हमें पुरानी सभ्यताओं के रहन-सहन और उनके विश्वासों के बारे में बताती हैं। हाल ही में स्पेन में एक ऐसी ही खोज हुई, जिसने वैज्ञानिकों को चौंका दिया। वहां पर एक 2000 साल पुराने रोमन ताबीज के अंदर एक ऐसे जीव का जीवाश्म मिला है, जो 25 करोड़ साल पहले ही धरती से खत्म हो चुका था। ये खोज सिर्फ एक पुराना चमत्कार नहीं, बल्कि ये भी दिखाता है कि कैसे पुराने रोमन लोग इन खास पत्थरों को जादुई ताकत मानते थे। इस रहस्यमय समुद्री जीव का नाम ट्राइलोबाइट है। दुनियाभर में ये पहली बार है, जब आर्कियोलॉजिस्ट (पुरातत्वविद) को ऐसा ट्राइलोबाइट जीवाश्म मिला है।

इस दुर्लभ जीव से जुड़ी रिसर्च 'सप्रिंगर नेचर'नाम की जर्नल में छपी है। ऐसा सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जब एक हजार साल से भी पहले इंसानों ने जानबूझकर ऐसे जीवाश्मों को इकट्ठा किया था। रिसर्चर्स के मुताबिक, इस जीवाश्म में साफ बदलाव दिखे हैं, जिससे लगता है कि इसे पेंडेंट या कंगन की तरह पहनने के लिए बनाया गया था। ये जीवाश्म अब एक आम कलेक्शन की चीज बन गया है। हालांकि, उन्हें जीवाश्म में कोई छेद नहीं मिला, लेकिन उनका मानना है कि इसे शायद सोने या चांदी जैसी धातु में जड़ा गया होगा। जीवाश्म की माइक्रोस्कोपिक जांच और हाई-कन्ट्रास्ट तस्वीरों से साफ पता चला कि इसमें इंसानों ने बदलाव किए थे। इसकी बाईं और निचली तरफ सात खास कट (पहलू) बनाए गए थे। रिसर्चर्स ने बताया कि ये बदलाव जीवाश्म को गहने में इस्तेमाल करने के लिए समतल करने के लिए किए गए थे।

प्राकृतिक पत्थर के सांचे में था बंद : ये जीवाश्म उत्तर-पश्चिमी स्पेन में रोमन लोगों के एक पुराने ठिकाने 'ए सिबडा डी आर्मिया' में मिला था। यह एक प्राकृतिक पत्थर के सांचे में बंद था, जिसमें लाल रंग के खनिज मिले हुए थे। ट्राइलोबाइट जीवाश्म अक्सर इसी तरह मिलते हैं और इसका लाल रंग शायद इसे गहने के तौर पर और भी खूबसूरत बनाता होगा।

इजरायल में मिला 1 लाख साल पुराना कंकाल खुल गया मानव सभ्यता का सबसे बड़ा सीक्रेट

यरुशलम। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, इजरायल में पुरातत्वविदों को 1 लाख साल पुरानी कब्रगाह मिली है। इसे दुनिया के सबसे पुराने दफन स्थलों में से एक माना जा रहा है। सबसे बड़ी बात है कि इंसानों के अवशेष अच्छी हालत में मिले हैं जिन्हें बहुत अच्छी तरह गड्ढे में रखा गया था। साल की शुरुआत में अकादमिक जर्नल में टिंशेमेट गुफा से मिली यह जानकारी उत्तरी इजरायल को पुरानी खोजों से जोड़ती है जिससे इंसानों के दफनाने की शुरुआत के बारे में जानकारी मिल सकती है। वहां से कुछ ऐसी चीजें भी मिली हैं जिसे शायद मरे हुए लोगों को सम्मान देने वाली रस्मों में होता रहा होगा।

कब्रगाह के अंदर क्या था?

टिशिमेंट में काम कर रहे पुरातत्वविदों ने 1,00,000 साल पुराने शुरुआती इंसानों के 5 अवशेष खोजे हैं।

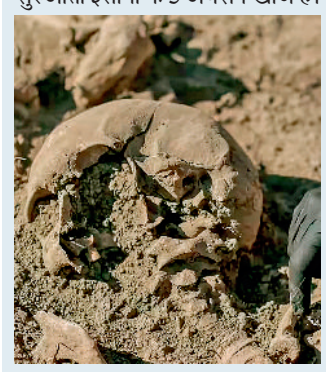

जेरूसलम की हिब्रू यूनिवर्सिटी में आर्कियोलॉजी के प्रोफेसर योसी जेडनर के मुताबिक, कंकाल गड्ढों में मिले जिसे बड़ी ध्यान से रखा गया था। कई कंकालों के साथ बेसाल्ट के कंकड़, जानवरों के अवशेष के टुकड़े मिले हैं। इनमें से कुछ चीजें सैंकड़ों किमी दूर से लाई गई थी।

सम्मान देने वाली रस्मों में होता रहा होगा

कहां छपी पूरी रिसर्च?

स्टोन एज को पत्थर के औजारों की शुरुआत माना जाता है, जो 3.3 मिलियल साल पहले से लेकर 10 हजार साल पहले तक चला था। टिंशेमेट गुफा मध्य पाषाण युग की है जो लगभग 2,50,000 से 30,000 साल पहले का समय था। टिशिमेंट के मुख्य निष्कर्ष मार्च में नेचर ह्यूमन बिहेवियर नाम की पत्रिता में प्रकाशित हुई थी. इस खोज में 5 इंसानों के अवशेष जिसमें 2 पूरे कंकाल और 3 खोपड़ियां थीं और कुछ हड्डियां और दांत शामिल थे। इसके अलावा 500 से ज्यादा लाल और नारंगी गेरू भी मिले।

क्या है इस खोज का मतलब?

तेल अवीव यूनिवर्सिटी के मानवविज्ञानी इजरायल हर्शकोविट्ज ने बताया, पुराने समय में कब्रिस्तानों का होना बहुत ही जरूरी था। यह एक तरह के इलाके पर अपना हक जमाने जैसा था। उन्होंने कहा कि आज भी लोग जिस जमीन पर अपने पूर्वजों को दफनाते हैं, उसपर अपना हक जमाते हैं।

बड़ी-बड़ी टेक्नोलॉजी को भी फेल कर देगा लियोनार्डो दा विंची का सालों पहले डिजाइन किया गया ये ड्रोन

न्यूयार्क। लियोनार्डो दा विंची पेंटर होने के साथ साथ मूर्तिकार, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी थे। उन्होंने अपने समय में ऐसे भी चित्र बनाएं जो उस समय अस्तित्व में भी नहीं थे और आपको जानकर हैरानी होगी कि इन चीजों का आविष्कार काफी समय बाद हुआ था। उन्होंने कई ऐसे चित्र बनाएं जो बहुत ही आधुनिक थे। उन्होंने हवा में उड़ने वाले वाहन या कहें तो ड्रोन, कुछ अनोखे हथियार और पानी के नीचे चलने वाले चीजों के चित्र बनाएं। वैज्ञानिक बताते हैं कि लियोनार्डो दा विंची ने जिन चित्रों को बनाया वो बहुत ही आधुनिक थे और आज के आविष्कारों के लिए बहुत कुछ सिखाते हैं। रिसचर्स का मानना है कि लियोनार्डो दा

विंची के चित्रों को देखकर बहुत ही कुशल ड्रोन बनाए जा सकते हैं। लियोनार्डो दा विंची के चित्र आजकल के इस आधुनिक समय के लिए किसी क्रांति की तरह है।

कितना कारगर है दा विंची का ड्रोन डिजाइन

ड्रोन को लियोनार्डो दा विंची के विमान डिजाइन से कम आवाज करने वाला बनाया जा सकता है और आपको बता दें कि जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय की एक टीम ने लियोनार्डो दा विंची के एरियल डिजाइन का एक मॉडर्न डिजाइन बनाया और उसमें उन्हें यह देखने को मिला कि लियोनार्डो दा विंची का डिजाइन को काम करने के लिए कम मैकेनिकल स्ट्रैंथ की जरूरत पड़ती है और सामान्य ड्रोन के मुकाबले इसके उड़ने से शोर भी बहुत कम होता है। लेकिन, आज के समय के अनुसार यह ड्रोन कारगर नहीं है। हालांकि, इस ड्रोन को भविष्य में शांत ड्रोन बनाने के लिए एक मोटिवेशन की तरह समझा जा सकता है।

कानूनी तौर पर मौत के बाद अपने शरीर को कर सकते हैं प्रिजर्व

साइंस ने कर ली तरक्की, अब मरकर भी वापस जीवित हो सकता है शरीर!

बर्लिन। विज्ञान ने काफी आगे तक तरक्की कर ली है। लोग इसका इस्तेमाल रूप-सौंदर्य और शरीर के लिए भी खूब कर रहे हैं। बता दें कि जर्मनी स्थित बर्लिन की एक स्टार्टअप कंपनी 'टुमॉरो बायो' एक एसी सर्विस दे रही है, जिसमें आप कानूनी तौर पर मौत के बाद अपने शरीर को प्रिजर्व कर सकते हैं। इसके लिए आपको कुल 1.74 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे।

फुल बॉडी क्रायोप्रिजर्वेशन : बता दें कि कंपनी फुल बॉडी क्रायोप्रिजर्वेशन की सेवा देती है, जिसमें शरीर को जल्दी-जल्दी बिल्कुल निम्न तापमान में ठंडा कर दिया जाता है। इससे शरीर सड़न और सेल्युलर डैमेज के खतरे से बच जाता है। टुमॉरो बायो मरने के बाद की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 24/7 इमरेजेंसी स्टैंडबाय टीम चलाता है। इसका मकसद है कि भविष्य में मेडिकल में होने वाली प्रगति में संरक्षित लोगों को वापस जीवित करने में सक्षम हो सकती है।

क्रायोप्रिजर्वेशन में खर्चा

एक रिपोर्ट के मुताबिक टुमॉरो बायो यूरोप की पहली क्रायोनिक्स लैब है, जिसका मकसद मौत के बाद मरीजों को फ्रीज करना और उन्हें वापस जीवन में लाना है। इस पूरी प्रक्रिया में 200,000 डॉलर यानी 1.74 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा. कंपनी की ओर से अबतक 3-4 लोगों और 5 पालतू कुत्तों का क्रायोप्रिजर्वेशन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक क्रायोप्रिजर्वेशन के बाद किसी को भी सफलतापूर्वक वापस जीवित नहीं किया जा सका है और अगर ऐसा होता भी है तो यह किसी क्षतिग्रस्त मस्तिष्क को वापस जीवित करने जैसा होगा।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स?

'किंग्स कॉलेज लंदन' में न्यूरोसाइंस के प्रोफेसर क्लाइव कोएन के मुताबिक वर्तमान में इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इंसानों जैसी जटिल मस्तिष्क संरचना वाले जीवों को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया जा सकता है। उन्होंने इसे बेतुका बताया। वहीं, टुमॉरो बायो के को फाउंडर और पूर्व कैंसर रिसर्चर एमिल केंडजिओरा ने कहा, एक बार जब तापमान शून्य डिग्री से नीचे चला जाता है तो आप शरीर को जमाना नहीं चाहते। आप इसे क्रायोप्रिजर्व करना चाहते हैं। नहीं तो हर जगह बर्फ के क्रिस्टल होंगे और ऊतक नष्ट हो जाएंगे।

शादी का इंतजाम देख महिला के उड़े होश, पैसे देकर मिल रहा था पानी

न्यूयार्क। शादियों के इंतजाम में लोग जी-जान लगा देते हैं। कोशिश करते हैं कि मेहमानों को अच्छी से अच्छी सुविधा मिले। एक महिला ने सोशल मीडिया पर उस भयानक शादी का अनुभव साझा किया, जिसमें उन्होंने खुद को एक बुरे सपने जैसी स्थिति में फंसा हुआ पाया। जब मेहमानों ने राहत के लिए पानी मांगा, तब उन्हें बताया गया कि पानी भी बार से खरीदना पड़ेगा, और वो भी कैश में। न तो डिजिटल पेमेंट का विकल्प था और न ही यह पहले बताया गया था कि पानी के लिए भी भुगतान करना होगा। एक यूजर ने इस पर कमेंट किया – 'जहां शराब बेची जा रही हो, वहां पानी मुफ्त देना कानूनन जरूरी है। ये तो पूरी तरह से गैरकानूनी है!'खाने की बारी आई तो हालात और बिगड़ गए। महिला ने लिखा- 'मक्खियां खाने पर मंडरा रही थीं, सब्जियों में घुसी हुई थीं। शाम होते-होते हालात और बिगड़ गए। नशे में धुत रिश्तेदार, बेकाबू बच्चे, और असंवेदनशील भाषणों की भरमार रही। सबसे बुरी बात तब हुई जब दुल्हन के भाई और दूल्हे के बीच झगड़ा हो गया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया।

मुंह का ना खुलना
पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धनतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com